दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-88 भोपाल, सोमवार 07 फरवरी 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार

जब आप जागृत अवस्था में होते हैं, तो ही सर्वश्रेष्ठ स्वप्नों का सृजन होता है।
- चैरी ग्लाइडरब्लूम

अभिनेत्री करिश्मा तन्ना कारोबारी वरुण बंगेरा सात फेरे ले दाम्पत्य सूत्र बंधन में बंधे

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा तन्ना अब सिंगल नहीं रही कारोबारी वरुण बंगेरा के साथ सात फेरे ले वे दाम्पत्य सूत्र में बंध गई हैं। करिश्मा तन्ना और वरुण बंगेरा ने 5 फरवरी को मुंबई में सात फेरे लिए। शादी की तमाम खूबसूरत इनसाइड फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर सामने आए हैं जो कि खूब वायरल हो रहे हैं। शादी की इन सभी तस्वीरों और वीडियो में दूल्हा और दुल्हन बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ शादी का थीम फेयरिटेल रखी गई थी और इस फेयरिटेल वेडिंग की तस्वीरें सोशल मीडिया पर हर किसी के दिलों पर कब्जा कर रही हैं। शादी के दौरान पेस?टल पिंक कलर के लहंगे में जहां दुल्हनिया करिश?मा परियों जैसी खूबसूरत लग रही थीं, वहीं दूल?हे राजा ऑफ व्?हाइट कलर की शेरवानी और पिंक कलर की पगड़ी में राजकुमार से कम नहीं लग रहे थे। शादी की हर रस्म में दोनों एक दूसरे से नजरें नहीं हटा पा रहे थे।

सुपरमार्केट व सड़क किनारे दुकानों में शराब बेचने के खिलाफ अनशन करेंगे अन्ना हजारे

पुणे। महाराष्ट्र के सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक 'स्मरण पत्र' लिखा है। इसमें हजारे ने कहा है कि वह सुपरमार्केट और सड़क किनारे की दुकानों में शराब बेचने संबंधी राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ अनिश्चितकालीन अनशन करेंगे। हजारे ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पहला पत्र लिखकर तीन फरवरी को आबकारी नीति का विरोध किया था, लेकिन इसका कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा इसके बाद मुख्यमंत्री को याद दिलाने के लिए उन्हें स्मरण पत्र भेजना पड़ा।

'खाकी के रंग कालेज के संग' कार्यक्रम अब होंगे कालेजों में

कोरबा. जिले में विद्यार्थियों को पुलिस के साथ जोड़कर देश सेवा का भाव जगाने, समाज और व्यवस्था के प्रति जिम्मेदारी के साथ आदर्श व्यक्ति और आदर्श समाज बनाने के साथ-साथ पुलिस के साथ मित्रवत संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के द्वारा 'खाकी के रंग स्कूल के संग' कार्य' म चलाया जा रहा है.

कार्टून

-राष्ट्रपति कोविंद सहित दिग्गजों राजनेताओं ने जताया शोक, दी श्रद्धांजलि

महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर दो दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा

नई दिल्ली । महान गायिका भारत र| लता मंगेशकर के निधन पर शोक संप्त देश ने दो दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। मंगेशकर का 92 वर्ष की आयु में रविवार को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह कोरोना वायरस से सं मित पाई गई थीं।

राष्ट्रपति कोविंद ने लता बताया असाधारण व्यक्तित्व-

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर रविवार सुबह शोक व्यक्त करते हुए कहा कि लता जी का निधन 'मेरे लिए, दुनियाभर के लाखों लोगों के लिए हृदयविदारक है।' राष्ट्रपति भवन ने कोविंद के हवाले से ट्वीट किया, 'लता दीदी जैसा कलाकार सदियों में एक बार पैदा होता है। वह एक असाधारण व्यक्ति थीं, जो उच्च कोटि के व्यवहार की धनी थीं।' उन्होंने कहा कि यह दिव्य आवाज सदा के लिए बंद हो गई लेकिन उनके गाए गीत हमेशा अमर रहेंगे और अनंतकाल तक गूंजते रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनके गाए गीत भारत के सारतत्व और सुंदरता को प्रदर्शित करते हैं तथा पीढ़ियों ने इन्हें अपने अंतर्मन की अभिव्यक्ति के रूप में पाया है। स्वरकोकिला लता मंगेशकर के साथ अपने चित्र साझा करते हुए राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि भारत र| लता जी की उपलब्धियां अतुलनीय हैं। कोविंद ने अपनी मुलाकात का जि' करते हुए कहा कि लता दीदी एक विलक्षण व्यक्तित्व थीं और उनके जैसे कलाकार सदियों में एक बार ही जन्म लेते हैं। उन्होंने कहा कि वह जब भी लता दीदी से मिले, उन्हें गर्मजोशी से भरा पाया। राष्ट्रपति ने कहा, 'उनके परिवार एवं प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं।'

पीएम मोदी बोले, मैं अपना दुख शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर रविवार सुबह शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने दुख को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते। उन्होंने ट्वीट किया, 'लता दीदी ने अपने गीतों के जरिए विभिन्न भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने दशकों से भारतीय फिल्म जगत में आए बदलावों को नजदीक से देखा। फिल्मों से परे, वह भारत के विकास के लिए हमेशा उत्साही रहीं। वह हमेशा एक मजबूत और विकसित भारत देखना चाहती थीं।' मोदी ने कहा, 'मैं अपना दुख शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। दयालु और सबकी परवाह करने वाली लता दीदी हमें छोड़कर चली गईं। उनके निधन से देश में एक खालीपन पैदा गया है, जिसे भरा नहीं जा सकता। भावी पीढ़ियां उन्हें भारतीय संस्कृति की पुरोधा के रूप में याद रखेंगी, जिनकी सुरीली आवाज में लोगों को मोहित करने की अद्वितीय क्षमता थी।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मुझे लता दीदी से हमेशा बहुत स्नेह मिला। मैं उनके साथ की गई बातों को हमेशा याद रखूंगा। मैं और देशवासी लता दीदी के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। मैंने उनके परिवार से बात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। ओम शांति।'

उप राष्ट्रपति नायडू बोले- देश ने राष्ट्रीय भावना को अभिव्यक्ति देने वाला स्वर खोया :

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर रविवार सुबह शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने अपना वह स्वर खो दिया है जिसने हर अवसर पर राष्ट्र की भावना को भावपूर्ण अभिव्यक्ति दी। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने नायडू के हवाले से ट्वीट किया, 'भारतीय सिनेमा की सुर सम्राज्ञी लता मंगेशकर जी का निधन देश की और संगीत जगत की अपूरणीय क्षति है।' नायडू ने कहा, 'लता जी के निधन से आज भारत ने अपना वह स्वर खो दिया है जिसने हर अवसर पर राष्ट्र की भावना को भावपूर्ण अभिव्यक्ति दी।'

उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनके गीतों में देश की आशा और अभिलाषा झलकती थी। उन्होंने कहा कि लता जी का मधुर स्वर दशकों तक देश में फिल्म संगीत की पहचान रहा। नायडू ने कहा, 'देश ने उन्हें भारत र| तथा दादा साहेब फाल्के पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से विभूषित किया था। उन्हें देश-विदेश में उनके असंख्य प्रशंसकों का स्नेह आजीवन प्राप्त रहा।' उन्होंने कहा कि देश के वीर सैनिकों के सम्मान में उनका 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसा मर्मस्पर्शी राष्ट्रप्रेम का गीत हो या राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन...', उनके स्वर ने देश को एकसूत्र में बांधे रखा। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'वेदना की इस घड़ी में उनके परिजनों और देश-विदेश में उनके असंख्य प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं, उनके शोक में सम्मिलित हूं।' गौरतलब है कि महान गायिका लता मंगेशकर का रविवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 92 वर्ष की थीं। उनका पिछले कुछ समय से ब्रीच कैंडी अस्पताल में उपचार चल रहा था।

लोकसभा अध्यक्ष ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक प्रकट किया-

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर रविवार को शोक प्रकट करते हुए कहा कि लता जी का निधन संपूर्ण राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है और अपने गीतों से वह सदैव 'हमारी स्मृतियों में जीवंत रहेंगी।'

भाजपा ने राज्यसभा सांसदों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली। भाजपा ने अपने सभी सांसदों को आठ फरवरी को राज्यसभा में रहने के लिए व्हिप जारी की है। पार्टी ने 3 लाइन का व्हिप जारी कर अपने सभी राज्यसभा सांसदों को 8 फरवरी, मंगलवार को सारे दिन पूरे समय सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर सरकार के पक्ष का समर्थन करने को कहा है।

दरअसल, मंगलवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दे सकते हैं। इस धन्यवाद प्रस्ताव को राज्यसभा से पारित भी कराया जाना है। इसे पारित कराने के दौरान विपक्षी दल अपने संशोधनों को लेकर मतदान की मांग कर सकते हैं।

विरोधी दलों की इसी रणनीति के मद्देनजर भाजपा ने पूरी ताकत के साथ राज्यसभा में दिनभर मौजूद रहने के लिए अपने सांसदों को व्हिप जारी कर यह निर्देश दिया है ताकि वोटिंग की नौबत आने पर विरोधी दलों के प्रस्ताव को बहुमत के आधार पर खारिज कराया जा सके।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में विभिन्न विपक्षी राजनीतिक दलों के 14 सांसदों की तरफ से राष्ट्रपति के अभिभाषण में संशोधन के लिए 99 नोटिस दिए गए थे, जिनमें से 11 विपक्षी सांसदों की तरफ से संशोधन के लिए 80 नोटिस पेश किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल और सीपीएम के इलामारन करीम द्वारा पेगासस जासूसी मामले को लेकर दिए गए संशोधन प्रस्ताव को यह कहते हुए नामंजूर कर दिया गया है कि मामला अदालत में विचाराधीन है। अपने संशोधन प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किए जाने के विरोध में सीपीएम सांसद इलामारन करीम ने राज्यसभा सभापति वेंकैया नायडू को पत्र लिखकर विरोध जताया है। इस मसले पर विपक्षी सांसद राज्य सभा में हंगामा भी कर सकते हैं और साथ ही सदन में संख्या बल के आधार पर सभी विपक्षी दल मिलकर अपने संशोधन को पारित करवाने की कोशिश भी कर सकते हैं।

राजनांदगांव में पुलिस ने कांग्रेस विधायक छन्नी साहू के प?ति को गिरफ्तार किया, विधायक नाराज़

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में गाली-गलौच करने पर पुलिस ने कांग्रेस विधायक छन्नी साहू के प?ति को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना से आ'ोशित विधायक ने अपनी सुरक्षा लौटा दी है। राजनांदगांव पुलिस बताया कि खुज्जी क्षेत्र की कांग्रेस विधायक छन्नी साहू के पति चंदू साहू के खिलाफ आठ दिसंबर 2021 को वाहन चालक बीरसिंग उइके ने ?गाली-गलौच करने और धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद छुरिया थाने में साहू के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया था।

साहू शनिवार दोपहर बाद अपनी गिरफ्तारी देने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे थे। बाद में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जिले के खुज्जी विधानसभा क्षेत्र में कथित तौर पर रेत के अवैध उत्खनन और ढुलाई को लेकर विधायक छन्नी साहू और पार्टी के अन्य लोगों के बीच कथित रूप से विवाद चल रहा है। बीते आठ दिसंबर को विवाद उस वक्त और बढ़ गया जब वाहन चालक उइके ने साहू के खिलाफ जातिसूचक गाली देने और धमकी देने का मामला दर्ज करा दिया था। इसके बाद आदिवासी समाज के लोगों ने भी विधायक के पति को गिरफ्तार करने की मांग की थी। पति के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद विधायक छन्नी साहू पति के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची थी। विधायक ने पति की गिरफ्तारी से कुछ देर पहले संवाददाता सम्मलेन में आरोप लगाया कि वह क्षेत्र में लगातार रेत माफियाओं से लड़ रही हैं। इसके कारण ही उनके पति को षड़यंत्र रचकर फंसाया गया है। उन्होंने इस दौरान पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाया और कहा कि पुलिस ने उनके पति के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले ठीक तरीके से जांच नहीं की। संवाददाता सम्मेलन में विधायक ने बताया कि वह अपनी सुरक्षा प्रशासन को लौटा रही हैं।

सियासी दलों के वादों पर भरोसा करने से पहले उनका पुराना रिकॉर्ड देखें- नड्डा

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि किसी पार्टी द्वारा किया गया काम मतदाताओं के लिए यह तय करने का आधार होना चाहिए कि आगामी चुनाव में किसे वोट देना है। उन्होंने कहा केवल भविष्य में किए जाने वाले कामों की घोषणाओं के आधार पर किसी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं किया जाना चाहिए।

नड्डा ने उत्तर प्रदेश के नोएडा में चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया कि चुनाव से पहले अपने रिपोर्ट कार्ड के साथ जनता के बीच पहुंचने का साहस भाजपा ने दिखाया है। उन्होंने कहा कोई अन्य पार्टी ऐसा नहीं कर सकती, क्योंकि ऐसे दलों ने सत्ता में रहते हुए केवल अपने लिए काम किया था। उन्होंने कहा, मतदाताओं के लिए यह तय करने का आधार क्या है कि किस पार्टी को वोट देना है? आप यह नहीं पूछें कि पार्टी भविष्य में क्या करने जा रही है। देखें कि उन्होंने अतीत में क्या किया है। सब लोग बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं कि हम ये बनाएंगे, हम वह बनाएंगे, लेकिन ऐसा क्या आधार है जिससे मतदाता यह जानेंगे कि आप यह सब कर सकते हैं। नोएडा से भाजपा के उम्मीदवार और मौजूदा विधायक पंकज सिंह के लिए प्रचार कर रहे नड्डा ने कहा, यह केवल भाजपा का चरित्र है और यह केवल हम ही हैं, जो चुनाव के दौरान हमारे रिपोर्ट कार्ड (किए गए काम) के साथ लोगों के पास जाने की हिम्मत कर सकते हैं। कोई अन्य पार्टी ऐसा नहीं कर सकती।

मुसलमानों से रिश्तों पर बोले, योगी- जो भारत को प्यार करता है हम उससे प्यार करते हैं

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुसलमानों से अपने रिश्तों का खुलासा बेहद सटीक अंदाज में किया है। दरअसल, यूपी में 10 फ़रवरी को विस चुनाव के पहले चरण का मतदान होगा। चुनाव को लेकर भाजपा, सपा सहित सभी पार्टियां धुआंधार प्रचार कर रही है। इसी बीच एक टीवी इंटरव्यू में जब सीएम योगी आदित्यनाथ से पूछा गया कि आपका मुसलमानों से क्या रिश्ता है तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि जैसे वे मुझे देखते हैं, वैसे मैं भी उन्हें देखता हूं। एक इंटरव्यू में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सवाल पूछा गया कि पीएम मोदी का नारा रहा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। आप भी इस नारे को हर मंच से दोहराते हैं। आपने अभी तक बहुत से

उम्मीदवार घोषित किए हैं लेकिन कोई भी मुसलमान कैंडिडेट घोषित नहीं किया है। आपका मुसलमानों से क्या रिश्ता है? इस सवाल के जवाब में सीएम योगी ने कहा कि मेरा वही रिश्ता उनके साथ में है जो उनका रिश्ता मुझसे है। आगे उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार में मेरे मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम मंत्री मोहसिन रजा हैं। केंद्र सरकार में मुख्तार अब्बास नकवी मंत्री हैं। इसी प्रकार के कई चेहरे हैं। आरिफ़ मोहम्मद ख़ान केरल के राज्यपाल के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। हमारा किसी चेहरे, व्यक्ति, जाति या मजहब से विरोध नहीं है। लेकिन जिसका विरोध भारत से है और भारतीयता से है तो स्वाभाविक रूप से हमारा उससे विरोध होगा।

योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि जो भारत को प्यार करता है। हम उससे प्यार करते हैं। जो भारत के मूल्यों और सिद्धांतों में रचा बसा है। हम उसको हृदय से लगाते हैं, गले से लगाते हैं और सम्मान भी देते हैं।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

न्यूज ब्रीफ

जावद के 60 विद्यार्थी सीखेंगे जापानी भाषा

भोपाल। नीमच जिले के जावद विकासखण्ड के 20 हायर सेकेण्डरी शालाओं के 60 विद्यार्थियों का चयन प्रोजेक्ट मीराई में जापानी भाषा सीखने के लिये हुआ है। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने शनिवार को प्रोजेक्ट मीराई का वर्चुअल शुभारंभ किया। मंत्री श्री सखलेचा ने विद्यार्थियों को जापानी भाषा सीखने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के युग में रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिये हमे सदैव नवीन प्रयत्न करना होंगे। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करना भी आवश्यक है। मंत्री श्री सखलेचा ने अंग्रेजी भाषा सीखने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त भाषा सीखने से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं कौशल का विकास होता है और आज के दौर में ऐसे प्रयासों से रोजगार के वैकल्पिक अवसर भी प्राप्त होते हैं। प्रोजेक्ट मीराई में जावद विकासखण्ड के 200 विद्यार्थियों का चयन किया गया था जिनका कौशल परीक्षण इन्फोसिस द्वारा ऑनलाईन किया गया। परीक्षण के बाद मेरिट के आधार पर 60 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिन्हें 7 फरवरी से जावद विकासखण्ड के दो कलस्टर में प्रतिदिन 2 घण्टे का ऑनलाईन एवं ऑफलाईन प्रशिक्षण देकर जापानी भाषा का कोर्स करवाया जाएगा। कोर्स के बाद विद्यार्थियों स्नातक के लिये जापान जाने का अवसर प्राप्त होगा। जहाँ यह विद्यार्थी स्नातक करने के साथ रोजगार भी प्राप्त करेंगे। प्रोजेक्ट मीराई कार्यक्रम इन्फोसिस स्प्रिंग बोर्ड एवं निर्माण संगठन के सहयोग से जावद क्षेत्र में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है। इन्फोसिस स्प्रिंग बोर्ड की सुश्री मनीषा सब्यु ने कहा कि इस पायलट प्रोजेक्ट की शुरूआत बहुत कम विद्यार्थियों के साथ की गई है। इसकी सफलता के बाद प्रोजेक्ट व्यापक पैमाने पर लागू किया जायेगा। विद्यार्थियों को स्कूल शिक्षा के साथ रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे। इन्फोसिस के बाल श्री किशन चावड़िया ने चयनित विद्यार्थियों के परिणाम घोषित किये। जावद विकासखण्ड के शासकीय शालाओं के प्राचार्य, शिक्षक चयनित विद्यार्थी एवं उनके पालक उपस्थित रहे। प्रेजेन्टेशन परियोजना समन्वयक श्री प्रलय कुमार उपाध्याय ने दिया।

विद्युत सुरक्षा में लापरवाही बरतने पर सहायक प्रबंधक निलंबित

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने संचारण संधारण संभाग विदिशा के शमशाबाद वितरण केंद्र में पदस्थ सहायक प्रबंधक श्री पजन गंगेले को विद्युत लाइनों पर कार्य के दौरान अधीनस्थ कर्मचारियों से सुरक्षा नियमों का पालन न कराने एवं सुरक्षा उपकरणों का उपयोग किए बिना कार्य करवाने की लापरवाही बरतने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। श्री गंगेले का निलंबन अवधि में मुख्यालय संभागीय कार्यालय विदिशा रखा गया है। इसी प्रकार सेवा प्रदाता एजेंसी के माध्यम से विदिशा संभाग के शमशाबाद वितरण केंद्र में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी श्री भुजबल यादव को विद्युतीय लाइनों पर कार्य में सुरक्षा नियमों का पालन न करने एवं सुरक्षा उपकरणों का उपयोग नहीं करने पर तत्काल प्रभाव से उनकी सेवाएँ समाप्त कर दी गई हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि उप केंद्रों, विद्युत लाइनों के रख-रखाव कार्य में कार्मिकों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सुरक्षा साधनों का इस्तेमाल किया जाए।

वन विहार में बीमार तेंदुआ लाए

नरसिंहगढ़ सेंचुरी में पथरीले रास्ते पर पड़ा था, अफसर भोपाल लेकर आए; 24 घंटे अहम

भोपाल

भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में नरसिंहगढ़ सेंचुरी से बीमार तेंदुए को लाया गया है। यह तेंदुआ पथरीले रास्ते पर बीमार हालत में पड़ा था। प्राथमिक तौर पर पॉइजनिंग से बीमार होना सामने आया है। तेंदुए के लिए 24 घंटे अहम बताए जा रहे हैं। राजगढ़ डीएफओ एचएस मांझी ने बताया कि नरसिंहगढ़ सेंचुरी में कई तेंदुए हैं। शनिवार को सैंचुरी में एक मादा तेंदुआ बीमार हालत में पड़ा मिला। वन विहार के डॉ. अतुल गुप्ता से बात करके तेंदुए का प्रारंभिक इलाज किया गया। इसके बाद वन विहार लेकर पहुंचे।

सांस तेज चल रही, 24 घंटे चिंता वाले

वन विहार के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एके जैन ने बताया कि तेंदुए की उम्र करीब 2 साल है। सीनियर डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। 24 घंटे चिंता वाले हैं। उसकी सांसें तेज चल रही हैं। शनिवार रातभर उसे निगरानी में रखा गया। रविवार को सेहत में सुधार की उम्मीद है।

मध्य प्रदेश सरकार के ग्रह, विधि, जेल व संसदीय कार्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा आदरणीय लता दी के निधन पर दतिया में पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारतीय संगीत के महायुग का अंत : शिवरात

» अद्वितीय और अनोखी स्वर साधिका का अवसान पीड़ादायक

» लता दीदी गायिका ही नहीं, इतिहास में दर्ज एक विशेष अध्याय की तरह हैं कला साधक होंगे अनंतकाल तक प्रेरित

» पूरा विश्व दुखी है लता जी के अवसान पर

» मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दी स्वर कोकिला सुश्री लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि स्वर कोकिला भारत रत्न सुश्री लता मंगेशकर का अवसान बहुत पीड़ादायक है। उनके अवसान से भारतीय संगीत के महायुग का अंत हो गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि लता दीदी आपके बिना ये देश सूना है। इस देश के गीत और संगीत सूने हैं। हर घर सूना है। हृदयघट सूना है। आपकी कमी कभी कोई पूरी नहीं कर सकता। गीत-संगीत की देवी मानकर हमेशा आपकी पूजा करते रहेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लता दीदी के चरणों में विनम्र प्रणाम करते हुए कहा कि वे अद्वितीय और अनोखी थीं, उनसे अनंतकाल तक कला साधक प्रेरित होते रहेंगे। मध्यप्रदेश के इंदौर में जन्मी सुश्री लता मंगेशकर ने पार्श्व गायन में सबसे लंबी अवधि का रिकार्ड बनाया है। अनेक भाषाओं को उन्होंने स्वर दिए। करोड़ों संगीत प्रेमियों के जीवन को सुंदर बनाया। वे विश्व स्तरीय गायिका थीं। भारत ही नहीं अनेक राष्ट्र उनके अवसान पर दुखी हैं और उनके योगदान का स्मरण कर रहे हैं। वे गायिका ही नहीं इतिहास में दर्ज एक विशेष अध्याय की तरह हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैं उत्तराखंड के प्रवास पर हूँ। आज पूर्वान्ह स्वर साम्राज्ञी, परम श्रद्धेय लता मंगेशकर जी के निधन का पीड़ादायक समाचार मिला। मेरा अन्तर्मन व्यथित है। देश ही नहीं, समूचे विश्व ने एक ऐसी स्वर साधिका को खो दिया, जिन्होंने अपनी मधुर आवाज से जीवन में आनंद घोलने वाले असंख्य गीत दिए। लता दीदी का तपस्वी जीवन स्वर साधना का अप्रतिम अध्याय है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गीत-संगीत के प्रति समर्पण से परिष्कृत लता जी का व्यक्तित्व शालीनता, सौम्यता और आत्मीयता की त्रिवेणी रहा है, जो कला साधकों को अनंतकाल तक प्रेरित करता रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। अपनी सुमधुर अमर आवाज से लता दीदी सदैव हम सभी के बीच रहेंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लता जी की जिन्दगी हिंदी और मराठी सिनेमा जगत के साथ ही अन्य भारतीय भाषाओं और संगीत की ऐसी अद्भुत यात्रा रही है, जिसने कई पीढ़ियों को मानवीय संवेदनाओं को जीवंत करते गीत-संगीत से जोड़ने का कार्य किया। भारतीय सिने जगत के उद्भव से अत्याधुनिक युग तक लता दीदी सहयोगी से संरक्षक की भूमिका में रहीं। लता जी का योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

छोटे-छोटे समूह और संस्थाओं का पर्यावरण प्रेम देता है बड़ा संदेश : मुख्यमंत्री चौहान

स्मार्ट उद्यान में लगाए अर्जुन और सप्तपर्णी के पौधे

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान में मुस्कान सोशल वेलफेयर सोसायटी के श्री गौरव जैन, श्री आकाश श्रवण और सुश्री रेखा ठाकुर के साथ अर्जुन और सप्तपर्णी के पौधे लगाये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि छोटे-छोटे समूहों और संस्थाओं की तरफ से पौधे लगाए जाने का कार्य बहुत बड़ा संदेश देता है। समाज को भी पर्यावरण के प्रति चिंतित रहना है। आज मुस्कान सोसायटी के सदस्य पौधा लगाने आए हैं, इनके प्रयास सराहनीय हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुस्कान सोशल वेलफेयर सोसायटी की गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की। संस्था के सदस्यों ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान के साथ समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी संस्था लगाती है। अब तक 20 हजार से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया है। संस्था पौधे लगाने के साथ ही मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य, शिक्षा तथा स्वच्छता से संबंधित कार्य कर रही है। अर्जुन का वृक्ष औषधीय वृक्ष है, जिसकी छाल एवं रस का उपयोग हृदय एवं क्षय रोग जैसी बीमारियों में लाभदायक है। अर्जुन का वृक्ष मध्यप्रदेश में भी काफी मात्रा में पाया जाता है। सप्तपर्णी का पौधा सदाबहार औषधीय वृक्ष है, जिसका आयुर्वेद में उपचार की दृष्टि से महत्व है।

मुख्यमंत्री से अजमेर शरीफ जाने वाले प्रतिनिधि-मंडल ने भेंट की

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से आज निवास पर मध्यप्रदेश से अजमेर शरीफ जा रहे प्रतिनिधि- मंडल ने भेंट की। मुख्यमंत्री श्री चौहान से भेंट करने वालों में मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष श्री एस.के. मुद्दीन, श्री तबरेज शेख एवं श्री जहूर अहमद शामिल थे। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने जानकारी दी कि आगामी 10 फरवरी को मुख्यमंत्री श्री चौहान की ओर से अजमेर शरीफ में चादर पेश की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान एवं प्रतिनिधि-मंडल के सदस्यों ने सर्व-कल्याण और विश्व शांति की स्थापना के लिए प्रार्थना की। अजमेर शरीफ जाने वाले दल में प्रदेश के विभिन्न स्थानों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने भोपाल में काटजू चिकित्सालय में पांच वैक्सीनेशन वेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने लता मंगेशकर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया

भारत रत्न लता मंगेशकर जी के निधन पर दो दिन का राजकीय शोक घोषित

रायपुर। भारत रत्न लता मंगेशकर जी के निधन पर भारत सरकार द्वारा दो दिवस (दिनांक 06 फरवरी 2022 से दिनांक 07 फरवरी 2022 तक) का राजकीय शोक घोषित किया गया है। राजकीय शोक की अवधि में राज्य स्थित समस्त शासकीय भवनों और जंहा पर नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाते हैं, वंहा पर राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे तथा शासकीय स्तर पर कोई मनोरंजन/सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं किये जायेंगे।

संगीत जगत को अपूरणीय क्षति : राज्यपाल

राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने भारत रत्न, स्वर साम्राज्ञी सुश्री लता मंगेशकर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। राज्यपाल ने शोक संदेश में कहा है कि स्वर कोकिला सुश्री लता मंगेशकर के निधन से संगीत जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। उनके योगदान को भुला पाना मुश्किल है। हम सबकी प्रिय गायिका, जिनके गीतों को सुनकर, मधुरिम सुरों को महसूस कर हम सबसे अच्छा समय बिताते आ रहे, ऐसे अद्वितीय सुरों की महान साधिका लता मंगेशकर जी का 92 वर्ष की आयु में निधन बेहद दुःखद है।उनकी आवाज़ विश्वभर के संगीतप्रेमियों की स्मृतियों में युग-युगांतर यात्रा करेगी। राज्यपाल ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित हुए उनके शोकसंतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर जताया गहरा शोक

भारत ने आज एक रत्न खोया है

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री बघेल ने कहा है- स्वर कोकिला, %भारत रत्न% आदरणीया लता मंगेशकर जी का निधन बेहद दुःखद और सम्पूर्ण कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और शोकसंतप्त परिवारजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि सुश्री लता मंगेशकर जी के गाये मधुर गीत हमेशा लोगों के दिलों में बसे रहेंगे। उनकी आवाज़ ही उनकी पहचान है, जो कभी खो नहीं सकती। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुश्री लता मंगेशकर जी ने 30 से ज्यादा भाषाओं में गीत गाए, उनके निधन से भारत ने आज एक रत्न खो दिया है।

न्यूज ब्रीफ

प्राथमिक विद्यालय में एम डी एम का सामान उठा ले गए चोर

गाजीपुर। ग़ाज़ीपुर सैदपुर चकिया नेवादा ग्राम के प्राथमिक विद्यालय के शनिवार रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा प्राथमिक विद्यालय का दरवाजा व ताला तोड़कर चोरी कर लिया।प्रधानाचार्य डॉ अनिल पांडेय ने बताया कि कार्यालय में चोरों द्वारा विद्यालय का ताला तोड़कर के एमडीएम बनाने का सामान जिसमें 2 सिलेंडर दो चूल्हा, कुकर 25 लीटर और विद्यालय की अलमारी तोड़कर रजिस्टर लेकर चले गए।

मंत्रिमण्डल समिति की बैठक आज

रायपुर। प्रदेश में विभिन्न विभागों, निगम, मण्डलों, कम्पनियों और बोर्ड के अधीन स्वामित्व की अनुपयोगी शासकीय भूमि के व्यवस्थित विकास एवं सदुपयोग के संबंध में अधिकार सम्पन्न मंत्रिमण्डल समिति की बैठक 7 फरवरी को आयोजित की गई है। यह बैठक लोक निर्माण मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू के निवास कार्यालय में अपरान्ह 12.30 बजे होगी। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा उपरोक्त अनुपयोगी शासकीय भूमि के व्यवस्थित विकास एवं उपयोग एवं सदुपयोग के लिए मंत्रिगणों की एक अधिकार सम्पन्न समिति का गठन किया गया है। समिति में लोक निर्माण मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री शामिल हैं।

देवभोग ब्रांड के दुग्ध व दुग्ध उत्पाद सीधे क्रय कर सकेंगे शासकीय विभाग

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप दुग्ध सहकारी समितियों से जुड़े राज्य के पशुपालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए शासन के सभी विभाग, उपक्रम, निगम एवं मण्डलों में शासकीय आयोजन के समय देवभोग ब्रांड के दुग्ध एवं दुग्ध से बने उत्पादों का उपयोग करने के निर्देश मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दिए गए है। देवभोग ब्रांड के उत्पाद को विभाग सीधे क्रय कर सकते है। यहां यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ द्वारा उत्पादित देवभोग ब्रांड के दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों का उपयोग शासकीय कार्य-कलापों में किये जाने हेतु खरीदी किए जाने के लिए समय-समय पर राज्य शासन द्वारा निर्देश जारी किए गए है।

अधेड़ के सिर पर टंगिया से किया था वार, फसल काटने को लेकर हुआ था विवाद

बीच-बचाव करने गई पत्नी और बेटे को भी खूब पीटा, तीन गिरफ्तार

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में परिवार के साथ मारपीट करने वाले 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तीनों ने मिलकर पहले तो अधेड़ के सिर पर टंगिया से वार किया था। इसके बाद जब बीच-बचाव करने उसके पत्नी और बेटा आया तो उन्हें भी तीनों ने खूब पीट दिया था। वारदात के बाद से तीनों फरार चल रहे थे। आखिरकार पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला पण्ड्रापाठ चौकी क्षेत्र का है।

पण्ड्रापाठ इलाके में रहने वाले युवक मनीजर राम ने 19 नवंबर 2021 को इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। मनीजर ने बताया था कि गांव में घर के पास ही उन लोगों का खेत है। जिसमें धान लगाया गया था। उसने बताया कि गांव के ही ननका राम, जोखन राम और एक नाबालिग ने उनसे बिना पूछे ही उनकी खेत से फसल काटना शुरू कर दिया था।

सूचना मिलने पर मौके पर गया परिवार

मनीजर ने बताया कि इस बात की सूचना जब उसके पिता सुरे राम(56), अपनी पत्नी फुसलीबाई(52) और उसके छोटे भाई संजय राम को लेकर मौके पर पहुंच गए थे। पहले तो तीनों ने मिलकर उन्हें रोकने का प्रयास किया था। तीनों ने उन्हें मना किया कि उन्होंने बड़ी मेहनत से ये फसल लगाई है। इसे मत काटो। मगर तीनों आरोपी नहीं माने। उन्होंने पहले तो सुरे राम को गाली देना शुरू किया। इससे बाद मौके पर रखे टंगिया से उसके सिर पर वार कर दिया। इससे वह वहीं गिर गया।

वहीं ये घटना देखकर सुरे राम की पत्नी फुसलीबाई ने बीच बचाव का प्रयास किया। इस पर तीनों ने मिलकर उसे भी पीटना शुरू कर दिया। इतने में संजय राम भी अपनी मां को और पिता को बचाने गया तो तीनों आरोपियों ने मिलकर तीनों को ही पीटना शुरू कर दिया। तीनों ने मिलकर उन्हें इतना पीटा की तीनों घायल हो गए थे। वारदात को अंजाम देकर तीनों फरार हो गए थे।

जंगल में छिपे थे

इधर, घटना के बाद आस-पास के लोगों ने इसकी जानकारी सुरे के बड़े बेटे मनीजर राम को दी थी। तब वह मौके पर पहुंचा था और अपनी पिता, मां और भाई को उसने अस्पताल में भर्ती कराया था। वहीं उसने पूरे मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई थी। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, मारपीट की धारा के तहत केस दर्ज किया था। उसके बाद से ही पुलिस तीनों की तलाश कर रही थी। लेकिन तीनों आरोपी फरार चल रहे थे। इसी बीच 4 फरवरी को पुलिस को सूचना मिली की तीनों चुदापाठ सुलेशा के जंगल में छिपे हुए हैं। इसके बाद पुलिस ने मौके पर दबिश दी और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों में से एक आरोपी नाबालिग है। इसलिए उसे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया है।

विधानसभा चुनाव के लिए हुए जारी निर्देश

गाज़ीपुर। विधानसभा चुनाव को लेकर जिला मुख्यालय द्वारा प्रचार-प्रसार, रैली, जन सभा, जुलूस आदि की चारो तरफ से वीडियोग्राफी करते हुए व्यय लेखा टीम को सम्बन्धित राजनैतिक दलो द्वारा किये रैली, जनसभा, जुलूस आदि पर किये गये खर्च से अवगत करायेगे।

उन्होने जनपद में लगाये गये सभी टीमो के प्रभारी अधिकारी से प्रतिदिन की रिपोर्ट अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के आर ओ को तहसील मुख्यालय पर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया जो तहसील मुख्यालय से जिला मुख्यालय पर भेजी जायेगी। उन्होने जनपद के समस्त बार्डर पर लगाये गये टीमो को विशेष सर्तकता बरतने का निर्देश दिये। उन्होने बताया कि जनपद स्तर पर 25 चेक पोस्ट बनाये गये है जिसे एस एस टी टीम द्वारा निगरानी की जायेगी। उन्होने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी अधिकारी द्वारा निर्वाचन के गाईड लाईन का शत-प्रतिशत पालन करते हुए पूरी निष्पक्षता एवं ईमानदारी के साथ कार्य करेगे। अधिकारी ऐसा कोई कृत्य नही करेगे जिससे चुनाव की निष्पक्षता घूमिल हो। जॉच के दौरान वही करे जो सही है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अरूण कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी श्री प्रकाश गुप्ता, समस्त टीमो के प्रभारी अधिकारी उपस्थित थें।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर संबोधन वाचनालय परिसर में शोक सभा का हुआ आयोजन

कोरिया। अंचल की संस्था संबोधन साहित्य एवं कला विकास संस्थान ने महान गायिका स्वर कोकिला लता मंगेशकर के दुखद निधन पर संबोधन वाचनालय परिसर में शोक सभा आयोजित कर 2 मिनट का मौन रखकर अपनी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की है, विदित हो कि स्वरकोकिला भारत रत्न सुश्री लता मंगेशकर अब हमारे बीच नही रही आज सुबह 8 बजकर 12 मिनट पर हम सब को अलविदा कह गई ।आज संगीत के एक युग का अंत हो गया । हिमालय के छोर से लेकर महासागर तक उठने वाली तरंगों को संगीत में पिरोने वाली स्वर की कोकिला भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए संबोधन संस्था के अध्यक्ष विनोद तिवारी सचिव नरेंद्र अरोड़ा संजय ताम्रकार वरिष्ठ साहित्यकार सतीश उपाध्याय अनिल केसरवानी जगदीश पाठक नारायण तिवारी उपकार शर्मा संतोष जैन आदि ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा देश इस कमी को कभी पूरा नहीं कर पाएगा शोक सभा के पूर्व संस्था के सदस्य उपकार शर्मा ने नाम गुम जाएगा चेहरा यह बदल जाएगा मेरी आवाज ही पहचान है गर याद रहे के गीत से उन्हें याद किया

मादक पदार्थ के साथ दो तस्कर हुए गिरफ्तार

गाज़ीपुर। थाना बरेसर पुलिस द्वारा 170 ग्राम नाजायज मादक पदार्थ अल्प्राजोलम पाउडर के साथ 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। थाना बरेसर जनपद गाजीपुर पुलिस द्वारा रात्रिगस्त व चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के अलावलपुर चौराहा बहद ग्राम अलावलपुर थाना बरेसर जनपद गाजीपुर के पास से बिहार प्रान्त से खरीद कर मोहम्मदाबाद से कासिमाबाद की तरफ तस्करी हेतु 170 ग्राम नाजायज मादक पदार्थ अल्प्राजोलम पाउडर वाहन नंबर यूपी61एडी 2198 से ले जा रहे 2 अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया । जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मुकदमा संख्या 13/2022 धारा 8/22 स्वापक

औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 बनाम अमित गुप्ता पुत्र अखनू निवासी ग्राम मिट्ठापारा थाना जंगीपुर जनपद गाजीपुर उम्र लगभग 23 वर्ष दूसरा उत्तम दास पुत्र रविन्द्र दास निवासी इस्ट आखा नगर थाना कलिया गंज जनपद उत्तर दिनाजपुर पश्चिम बंगाल पंजीकृत किया गया । अभियुक्तों के विरूद्ध अन्य नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही गयी।

लापरवाही बरतने पर ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक निलंबित

बलरामपुर। उप स्वास्थ्य केन्द्र भगवानपुर की ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक(महिला) श्रीमती सत्यवती पटेल द्वारा ग्राम भलुई की 17 वर्षीय नाबालिग बालिका का गर्भवती पंजीयन करने एवं यह जानकारी होने पर कि उसकी उम्र 17 वर्ष है एवं वह गर्भवती है, जो हाई रिस्क प्रेग्नेंसी में आता है, कि जानकारी अपने उच्च अधिकारियों को नहीं दिये जाने के कारण छ.ग. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के विपरित कार्य करने तथा कार्य में लापरवाही बरतने के फलस्वरूप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

कुंओं के जल स्तर में 0.20 मीटर से लेकर 1.60 मीटर की वृद्धि, उपचारित नालों में अब कमोबेश पूरे साल रहता है पानी

सिंचाई की सुविधा मिलने से किसान लेने लगे दोहरी फसल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी यानी सुराजी गांव योजना का असर अब दिखाई देने लगा है। सुराजी गांव योजना के चार महत्वपूर्ण घटकों में से एक नरवा विकास से ग्रामीण अंचल में भू-जल स्तर की स्थिति सुधर रही है। मृतप्रायः नरवा (नाले) अब फिर से जीवित हो उठे हैं। उपचारित नालों में अब कमोबेश सालभर पानी रहने लगा है। इसका लाभ नाले के किनारे के किसान उठाकर अब दोहरी फसलों का उत्पादन करने लगे हैं।

छत्तीसगढ़ में नरवा विकास का यह कार्यक्रम लगभग 3 साल पहले शुरू किया गया था। अब तक राज्य में 2477 नालों का उपचार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा वन विभाग के माध्यम से कराया जा रहा है। इन बरसाती नालों में पानी की रोकथाम के लिए लगभग 614 करोड़ रूपए के उपचार कार्य कराए गए हैं, जिसमें स्टापडेम, अरदन बोल्डर चेक, गली प्लग, ब्रश हुड जैसी संरचनाओं का निर्माण शामिल हैं। इससे उपचारित नालों में अब कमोबेश अप्रैल-मई तक जल भराव बना रहता है। इसका फायदा यह हुआ है कि उपचारित नालों के आसपास के गांवों के कुंओं-हैण्ड पम्प के जल स्तर में आशातीत वृद्धि हुई है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही प्रायः कुंओं और हैण्ड पम्प के जल स्तर में गिरावट की स्थिति अब न सिर्फ थम सी गई है, बल्कि उसमें वृद्धि भी देखने को मिल रही है।

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उपचारित नालों के क्षेत्रों में कुंओं के जल स्तर के सर्वेक्षण रिपोर्ट से यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि कुंओं के जल स्तर में 0.20 मीटर से लेकर 1.60 मीटर तक की बढ़ोत्तरी हुई है। बेमेतरा जिले के नवागढ़ इलाके में स्थित हलफली नरवा के उपचार से श्री उदे प्रधानी के कुंए में जल स्तर जून 2019 में 4.60 मीटर में था, जो हलफली नाले में हुए उपचार के बाद जून 2020 की स्थिति में 3 मीटर पर आ गया है। इसी तरह मनेन्द्रगढ़ स्थित चिरकोली नाला, कोण्डागांव स्थित चाऊरबाहर नाला, नरहरपुर स्थित झुरा नाला, भानुप्रतापपुर के बुदन नाला जैसे सैकड़ों नालों के उपचार के बाद उस इलाके के कुंओं और हैण्ड पम्प के जल स्तर में 0.20 मीटर से लेकर 1.60 मीटर तक बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

राज्य में उपचारित नालों के इलाके की मिट्टी में नमी की मात्रा भी बढ़ी है। कांकेर के मांदरी नाला के उपचार के बाद उस इलाके की मिट्टी में नमी का प्रतिशत 2.90 बढ़ा है। नहरपुर नाला के क्षेत्र में 2.85 प्रतिशत तथा बुदन नाला क्षेत्र की मिट्टी में नमी 1.90 प्रतिशत बढ़ी है। मुंगेली जिले के पथरगड़ी की बात करें, तो वहां के नरवा योजना के तहत बने चेकडेम से नाले का जल स्तर 10 फीट बढ़ गया है। इसका लाभ उठाकर किसान दोहरी फसल उपजाने लगे हैं। राज्य के कबीरधाम जिले में औसत रूप से कम बारिश होती है। अमूमन गर्मी के दिनों में कबीरधाम जिले के ग्रामीण अंचल में निस्तार एवं पेयजल की समस्या बनी रहती है। नरवा विकास कार्यक्रम से अब वहां हालात बदलने लगे हैं। नरवा विकास कार्यक्रम के तहत कबीरधाम जिले में महीडबरा जलाशय से 1.80 किलोमीटर नहर का निर्माण कराए जाने से किसानों को सिंचाई सुविधा मिलने लगी है, जिससे किसान अब कोदो, कुटकी के स्थान पर धान और अरहर की खेती करने लगे हैं।मुंगेली जिले के रमतला गांव के किसान श्री विश्वनाथ वर्मा कहते है कि बारिश के मौसम में बोर से पानी भरपूर मिलता था, लेकिन गर्मी के मौसम में पानी बहुत कम आता था और खेती करने में काफी समस्या होती थी। पानी की कमी की वजह से टमाटर उत्पादन भी कम होता था, खेत में डबरी निर्माण से अब सारी समस्या दूर हो गई है। गर्मी के मौसम में डबरी में उपलब्ध पानी से टमाटर की खेती करते है।

लोकतंत्र को रसातल में ले जा रही है हमारी राजनैतिक भाषावली

कोई भूल नहीं सकता है। 5 साल पहले यूपी को लेकर क्या चर्चा होती थी 5 साल पहले दबंग और दंगाई ही कानून थे। उन्हीं का कहा ही शासन का आदेश था। 5 साल पहले व्यापारी लुटता था। बेटी घर से बाहर निकलने में घबराती थी और माफिया सरकारी संरक्षण में खुलेआम घूमते थे। पश्चिम उत्तर प्रदेश के लोग कभी यह भूल नहीं सकते कि जब यह क्षेत्र दंगे की आग में जल रहा था तो पहले वाली सरकार उत्सव मना रही थी, उत्सव। पांच साल पहले गरीब, दलित, पिछड़े, वंचितों के घर, जमीन, दूकान पर अवैध कब्जा ये समाजवाद का प्रतीक था। लोगों के पलायन की आये दिन खबर आती थी। अपहरण, फिरौती, रंगदारी ने मध्य वर्ग को, व्यापारियों को तबाह करके रख दिया। मैं मुजफ्फरनगर से सहारनपुर तक के लोगों से पूछना चाहता हूं कि आप सब दंगों को भूल गये हैं क्या अगर नहीं तो वोट देने में गलती मत करना, नहीं तो मुजफ्फरनगर फिर से जल उठेगा। अगर वोट देने में गलती हुई तो दंगे करवाने वाले फिर से लखनऊ में बैठ जायेंगे। ये जो गर्मी अभी कैराना और मुजफ्फरनगर में दिखाई दे रही है न यह सब शांत हो जायेगी। क्योंकि गर्मी कैसे शांत होगी- यह तो मई और जून में भी शिमला बना देता हूं। किसी बाहरी देश के या फिर हमारी राजनैतिक फिजां से पूरी तरह अनजान व्यक्ति को अगर बतलाया जाये कि इनमें से पहली भाषा एक ऐसे व्यक्ति की है जिसने बेहद गरीबी में अपना जीवन काटा है। उसे अपने निर्धन परिवार की मदद करने के लिए बहुत कच्ची उम्र में एक छोटे से रेलवे स्टेशन पर चाय बेचनी पड़ी थी। उसकी जिंदगी का संघर्ष फिर भी नहीं थमा और उसे 35 साल तक भिक्षावृत्ति करनी पड़ी थी। जाहिर है कि उसने बड़ी कठिनाई से पोस्ट ग्रेजुएट की शिक्षा प्राप्त की होगी। विनम्रता ऐसी कि आज भी वह स्वयं को फकीर कहता है और कभी भी राज-पाट त्यागकर कहीं भी (सम्भवत» हिमालय, जहां वे पहले भी वर्षों तपस्या कर चुके हैं) जाने की तैयारी रखता है- हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी। दूसरी भाषा ऐसे व्यक्ति की है जिसका काम देश में कानून-व्यवस्था को बनाये रखना एवं हिंसा को रोकना है। यह उसका नैतिक कर्तव्य है, संवैधानिक उत्तरदायित्व भी। दुर्भाग्य कि उसकी भाषा कुछ ऐसी लगती है मानो कोई हिंसक व्यक्ति बोल रहा हो- हमारे गृहमंत्री अमित शाह। तीसरी भाषा एक संन्यासी की है। सांसारिक मोह-माया तो वे कभी का त्याग चुके, लेकिन रामराज्य स्थापना की अदम्य इच्छा उन्हें सिंहासन तक ले आई।

ऐसे मठ के अधिपति हैं जिसकी संयम, त्याग एवं जग से निर्लिप्तता की प्रदीर्घ परम्परा है। तीनों ही महानुभावों की भाषा, मुहावरे और तेवर चाहे अलग हों, लेकिन सभी का सम्बन्ध भारतीय जनता पार्टी से है और उनके उपरोक्त वाक्य उत्तर प्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनावों की सार्वजनिक सभाओं में दिये गये भाषणों के अंश हैं। इन एक-दो समान्तरताओं के अलावा कई मायनों में सभी में कुछ तत्व एक से हैं। मसलन, सभी का प्रयोजन विरोधियों को एकदम निचले दर्जे का साबित कर येन केन प्रकारेण अपनी सत्ता को बरकरार रखना है। तीनों ही इन तथ्यों को पेश करते हुए यह नहीं बतलाते कि पांच साल तक प्रदेश में एवं पौने आठ वर्षों से केन्द्र में उनकी सरकारें होने के बाद भी कथित अपराधी अब भी बाहर कैसे हैं नैतिकता के नाते वे (मोदी-शाह-योगी) यह क्यों नहीं बतलाते कि उनकी पार्टी ने लगभग 100 ऐसे उम्मीदवार क्यों उतारे हैं जिनकी आपराधिक पृष्ठभूमि है खुद योगी पर कितने मामले दर्ज थे जो उनके सीएम बनने के बाद वापस लिये गये इतना ही नहीं, किसलिए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी- नेशनल क्राईम रिकॉर्ड्स ब्यूरो) की सितम्बर, 2021 की रिपोर्ट में हत्या, बलात्कार, महिला उत्पीड़न आदि के मामलों में यह सूबा क्योंकर काफी ऊपर है विपक्ष पर आरोप लगाने के पहले भाजपा को यह भी स्पष्ट करना चाहिये कि प्रचार रैलियों में नेताओं द्वारा जो कहा जा रहा है वह सत्य है या फिर भारत सरकार की प्रकाशित एनसीआरबी की रिपोर्ट.

संपादकीय

प्रमोशन में आरक्षण पर खत्म क्यों नहीं होता है भ्रम

आरक्षण को लेकर सबसे बड़ी विडंबना यही है कि 70 साल बाद भी आज तक यह तय नहीं हो पाया है कि इसे लागू कैसे किया जाए, जबकि आरक्षण की समीक्षा को लेकर आरक्षण का विरोध करने वाली ताकतें अधीर हो रही हैं। प्रोन्नति में आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद भी आरक्षण से जुड़े विवाद की आशंकाएं दूर हो गई हों, ऐसा नहीं लगता। उल्टे अदालत में आरक्षण संबंधी विवादों के बढ़ने की गुंजाइश अधिक पैदा होने वाली है। एससी-एसटी वर्ग के लोगों को सरकारी नौकरी में वरीयता देते हुए प्रमोशन का प्रावधान 1955 में पंडित नेहरू की सरकार ने तय किया था और इसके लिए संविधान में संशोधन करना पड़ा था। इसके बावजूद सरकारें मनमानी करती रहीं और आरक्षण से जुड़े विवाद अदालत के समक्ष विचारार्थ आते रहे। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश देकर यह साफ कर दिया था कि प्रमोशन में आरक्षण पर कोई रोक नहीं है और राज्य सरकार अपने विवेक के आधार पर लागू कर सकते हैं। %विवेक के आधार पर लागू कर सकने% की बात के बाद ही पूरी संभावना जन्म लेने लग जाती हैं जिससे विवाद पैदा हो और आरक्षण लागू करने में दिक्कतें आएं। जाहिर है फिर विवाद हुए और 2022 में भी सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में यह कहना पड़ा है कि पदोन्नति में आरक्षण को लेकर पिछले फैसलों में तय किए पैमाने हल्के नहीं होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि केंद्र और राज्य सरकारें अपनी-अपनी सेवाओं में एससी-एसटी के लिए आरक्षण के अनुपात में समुचित ईप्रतिनिधित्व को लेकर तय समय अवधि में इसकी समीक्षा कर सकती हैं। लेकिन, क्या अब भी पदोन्नति में आरक्षण का रास्ता साफ हो गया माना जा सकता है आरक्षण का हिमायती दिखने और हिमायती होने में बहुत फर्क होता है। अगर यह फर्क नहीं होता तो 1955 में प्रोन्नति में आरक्षण को लेकर इतना भ्रम 2022 में भी बरकरार नहीं रहता। चाहे देश की अदालतें रही हों या फिर प्रांतीय और केंद्र की सरकारें- सब आरक्षण के हिमायती और इस विषयक कानूनों को लागू कराते दिखती रही हैं लेकिन वास्तव में अवरोध भी इन्हीं की ओर से सामने आए हैं।

एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है कि जिस संवर्ग में

रिक्तियां होंगी वहां आनुपातिक प्रतिनिधित्व का मात्रात्मक अध्ययन राज्य की सरकारें कराए। उस हिसाब से पदोन्नति में आरक्षण लागू हो। मगर, इससे पदोन्नति में आरक्षण के मामले क्या और अधिक लंबित होते नहीं चले जाएंगे एक बार फिर आरक्षण के लाभुकों को राज्य सरकार के रुख और उसकी सहानूभूति की आवश्यकता का मोहताज नहीं बना दिया गया है अगर हां, तो सुप्रीम कोर्ट का फैसला आरक्षण के लाभुक वर्ग के हित में कैसे माना जाए क्यों नहीं इसे प्रोन्नति में आरक्षण पर प्रकारांतर से रोक लगाने की सोची-समझी कोशिश का विस्तार माना जाए

प्रोन्नति में आरक्षण को लेकर सरकार और अदालत के चंद फैसलों पर नजर

1992 में इंदिरा साहनी केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आरक्षण की व्यवस्था कुल भर्ती का 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं हो सकता।

1995 में केंद्र सरकार ने 82वां संविधान संशोधन किया जिससे राज्यों को यह अधिकार मिला कि वे प्रमोशन में आरक्षण लागू कर सकते हैं।

2002 में एनडीए सरकार ने 85वां संविधान संशोधन करते हुए आरक्षण में कोटे के साथ-साथ वरिष्ठता भी लागू कर दी। इस पर खूब हंगामा हुआ।

2005 में उत्तर प्रदेश की मुलायम सरकार ने प्रोन्नति में आरक्षण में वरिष्ठता वाले आरक्षण को रद्द कर दिया।

2007 में मायावती की सरकार ने वरिष्ठता की शर्त के साथ प्रमोशन में आरक्षण को दोबारा शुरू कर दिया।

2011 में हाईकोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी गई और आरक्षण में वरिष्ठता लागू करने की व्यवस्था खत्म कर दी गई।

2012 में उत्तराखण्ड सरकार ने एक नोटिफिकेशन निकाला था जिसमें प्रमोशन में आरक्षण का जिक्र नहीं था। इस विवाद की सुनवाई करते हुए 2019 में उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने इस नोटिफिकेशन को रद्द कर दिया।

समझा जा सकता है कि जब प्रोन्नति में आरक्षण को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें खुद भ्रम में हैं और अदालत के फैसलों से भी यह भ्रम कभी घटा नहीं, बढ़ता ही चला गया। तो, ऐसे में आरक्षण लागू करने में कितनी ईमानदारी बरती जा रही होगी- इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। आज भी आरक्षित वर्ग ही पीड़ित है। आरक्षण का फायदा मिलता उन्हें नहीं दिख रहा। जो लोग आरक्षण को लागू करने की राह में रोड़े बनते रहे हैं वही आगे बढ़कर ये कहते भी सुने जाते हैं कि जब 70 साल में आरक्षण के बाद भी कोई समुदाय उठ कर खड़ा नहीं हुआ, तो आगे ऐसा होगा इसकी क्या गारंटी है मतलब ये कि किसी तरह से आरक्षण की व्यवस्था को खत्म कर दिया जाए।

बहुमत के शिकंजे में छटपटाता लोकतंत्र

भारत के लोकतंत्र का हाल इस वक्त कुछ ऐसा ही है। लोकतंत्र लोक की धड़कनों से ही जिंदा रहता है और भारत की मेहनतकश जनता दिन-रात इस कोशिश में है कि सदियों के संघर्ष के बाद हासिल लोकतंत्र जिंदा रहे। मगर जिन लोगों पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, उनका लहजा ऐसा है कि लोकतंत्र का दम अब घुटने लगा है। पिछले कुछ बरसों की घटनाएं याद कीजिए, लोकतंत्र पर मंडराते खतरे अपने आप नजर आ जाएंगे। रातों-रात नोटबंदी का फैसला लिया गया। आधी रात को संसद बिठाकर जीएसटी लागू करने की घोषणा की गई, इसे आर्थिक आजादी नाम दिया गया, बिना यह सोचे-विचारे कि आजादी जैसे शब्द आडंबर से नहीं, संघर्ष से हासिल होते हैं। जम्मू-कश्मीर को विभाजित किया गया, इस प्रांत के लोगों से किए गए वादे के विपरीत विशेषाधिकार देने वाले अनुच्छेद 370 को हटा दिया गया। इस काम को चुपचाप करने के लिए इंटरनेट की पाबंदी, अघोषित सेंसरशिप, नेताओं की नजरबंदी और कर्फ्यू आदि हथकंडे अपनाए गए। मानो किसी दुश्मन देश के साथ यह सलूक हो रहा हो। राम मंदिर का शिलान्यास धर्मनिरपेक्ष देश के, संविधान की शपथ लेने वाले प्रधानमंत्री द्वारा किया गया और राष्ट्रपति की ओर से मंदिर निर्माण के लिए पहला दान दिया गया। पूर्वोत्तर में एनआरसी के नाम पर समाज में विभाजन की साजिश रची गई। दो प्रांतों में सीमा विवाद को लेकर हिंसक घटनाएं हुईं। सीएए के खिलाफ खड़े हुए शाहीन बाग आंदोलन को यथाशक्ति कुचलने की कोशिश की गई। छात्रों के दमन की मिसालें तो देश भर में देखने मिलीं। जिन विश्वविद्यालयों पर देश को गर्व होता था, वे कितनी कुटिलता से क्षुद्र राजनीति के शिकारगाह बन गए, इसका अंदाजा ही देश को नहीं लगा।

अल्पसंख्यकों, दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, मजदूरों, किसानों, अबोध बच्चों के शोषण की कई दर्दनाक कहानियां देखने-सुनने मिलीं। साल भर से अधिक वक्त तक किसान आंदोलन देश में चला और अब एक बार फिर किसानों के बीच विरोध की सुगबुगाहट सुनी जा सकती है। इन कुछ उदाहरणों से अनुमान लगाया जा सकता है कि किस तरह आम जनता अपने-अपने तरीके से अधिकारों के लिए, इंसाफ के लिए आवाज उठाती रही और इस तरह लोकतंत्र को जिंदा रखने की कोशिश करती रही। और इस संघर्ष में साथ देने की जो जिम्मेदारी मीडिया पर थी, उसका एक बड़ा तबका राष्ट्रवादी पत्रकारिता की आड़ में सरकार के अलोकतांत्रिक हितों को साधता रहा।

लोकतंत्र को बनाए और बचाए रखने की जिम्मेदारी निर्वाचित

प्रतिनिधियों पर होती है। लेकिन सत्र दर सत्र संसद की कार्यवाही बाधित होती जा रही है। अब संसद का एक भी सत्र निर्बाध संपन्न हो जाए, पूरे कामकाजी घंटों का सदुपयोग हो, सांसदों की अधिकतम उपस्थिति हो और सत्ता पक्ष विपक्ष के सवालों पर जवाब देने, चर्चा करने के लिए तैयार हो, तो यह दुनिया का आठवां अजूबा बन जाएगा। संसद सत्र सुचारु चल सकते थे, अगर सरकार इसमें लोकतांत्रिक ईमानदारी दिखाती। लेकिन यहां भी दिखावा ही नजर आया। इसका एक और उदाहरण इस बजट सत्र में सामने आया। मौजूदा सत्र के पहले दिन संसद परिसर में प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों और राजनीतिक दलों से इस सत्र को फलदायी बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा, %यह बात सही है कि बार-बार चुनाव के कारण सत्र भी प्रभावित होते है, चर्चाएं भी प्रभावित होती हैं।

लेकिन मैं सभी सांसदों से प्रार्थना करूंगा कि चुनाव अपनी जगह पर हैं, वे चलते रहेंगे, लेकिन बजट सत्र पूरे वर्ष भर का आर्थिक खाका खींचता है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए वे खुले मन से इसमें भाग लें और संवेदनाओं से भरी चर्चा के जरिए इस सत्र को फलदायी बनाएं।% प्रधानमंत्री मोदी से नितांत अपरिचित व्यक्ति इस अपील को सुनकर यही समझेगा कि भारत के लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए वे किस कदर प्रतिबद्ध हैं। कितनी विनम्रता से वे सांसदों से अपील कर रहे हैं।

चुनावों से अधिक बजट सत्र को प्राथमिकता देते हुए, वे संवेदनाओं से भरी चर्चा करने की बात कह रहे हैं, यह उनका फकीराना अंदाज ही है। जिसमें खुद की नहीं, समाज की फिक्र होती है। मगर जिन लोगों ने प्रधानमंत्री की चुनावी व्यस्तताओं और सत्ता प्राप्ति की उत्कंठा को देखा है, वे समझ सकते हैं कि इस अपील की असलियत क्या है।

संसद सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की परंपरा चली आई है। इस बजट सत्र में प्रधानमंत्री ने उस परंपरा को निभाना जरूरी नहीं समझा। वे सांसदों से चर्चा में भाग लेने की कारुणिक अपील कर रहे हैं। लेकिन उनका अपना संसद का ट्रैक रिकार्ड भी उन्हें याद ही होगा। अभी दो महीने पहले खत्म हुए शीतकालीन सत्र में वे पहले दिन संसद में नजर आए, फिर लगातार अनुपस्थित रहे और उनकी गैरहाजिरी का एक चार्ट विपक्षी सांसदों ने बनाया था। जबकि इस दौरान उन्होंने उत्तरप्रदेश में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, जो सरकारी खर्च पर भाजपा के चुनावी प्रचार की तरह थे।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान चुनावी राज्यों उत्तराखंड और गोवा की यात्राएं भी कीं। रहा सवाल चर्चा का, तो उनके कार्यकाल में संसद में लगातार बिना चर्चा के महत्वपूर्ण विधेयक पारित कराए गए हैं। 2020 के शीतकालीन सत्र में कृषि कानून लाए गए और 2022 के शीतकालीन सत्र में इन्हें वापस लिया गया और दोनों ही मौकों पर चर्चा की जरूरत नहीं समझी गई। पिछले कुछ सत्रों में रफाएल रक्षा सौदा, चीन की घुसपैठ, महंगाई, बेरोजगारी, कोरोना काल का कुप्रबंधन, पेगासस जासूसी कांड जैसे गंभीर मसलों पर विपक्ष ने चर्चा की मांग रखी, मगर मोदी सरकार इसके लिए भी राजी नहीं हुई। बीते शीतकालीन सत्र में मानसून सत्र में हुए हंगामे के नाम पर राज्यसभा से 12 सांसदों को निलंबित किया गया। यह फैसला संसदीय परंपरा के मुंह पर तमाचा था, लेकिन बहुमत वाली सरकार के कारण लोकतंत्र को यह दर्द भी सहना पड़ा।

अब एक बार फिर संसद सत्र आयोजित है। बजट का दिन तो बीत गया, लेकिन आने वाले दिनों में पिछले कई मुद्दों के साथ पेगासस स्पाइवेयर की खरीदी, चीन द्वारा भारतीय नागरिकों को अगवा करना, किसानों की मांगें जैसे मसले विपक्ष उठाना चाहेगा और सरकार फिर इन मुद्दों पर चर्चा से बचने के लिए हंगामे को बढ़ने देगी। बहुमत के शिकंजे में लोकतंत्र को हम भारत के लोग मजबूरी से छटपटाते देख रहे हैं। क्या ये पीड़ा खोखली अपीलों से दूर होगी, ये सवाल जनता अपने आप से करे।

मूल समस्याओं की अनदेखी

वित्त मंत्री ने बजट में मेक इन इंडिया को बढ़ावा दिया है जिसके लिए उन्हें सधन्यवाद। उन्होंने कई मशीनों पर आयात कर बढ़ाया है जिनका भारत में उत्पादन हो सकता था। इससे भारत में मशीनों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। जैसे मोबाइल फोन के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए मोबाइल फोन के लेंस के आयात पर छूट दी गई है। केमिकल में भी जहां देश में उत्पादन क्षमता उपलब्ध है वहां आयात करों को बढ़ाया गया है। सोलर बिजली के उत्पादन के लिए घरेलू सोलर पैनल के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया गया है। रक्षा क्षेत्र में कुल बजट का पिछले साल 58 प्रतिशत घरेलू स्रोतों से खरीद की जा रही थी जो इस वर्ष बढ़ाकर 68 प्रतिशत कर दिया गया है। यह सभी कदम सही दिशा में है। इनसे घरेलू उत्पादन में वृद्धि होगी और मेक इन इंडिया बढ़ेगा। यह सही दिशा में हैं।

लेकिन इसके बावजूद अर्थव्यवस्था पुनः चल निकलेगी इस पर मुझे संशय है। मुख्य कारण यह है कि सरकार अपनी पुरानी सप्लाई बढ़ाने की गलत नीति पर ही चल रही है। जैसे घरेलू उत्पादन को %प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव% यानी उत्पादन के अनुसार उन्हें सहयोग मात्रा दिए जाने को बढ़ावा दिया गया है। लेकिन प्रश्न उठता है कि जब बाजार में मांग नहीं है तो उद्यमी उत्पादन करेगा क्यों और %प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव% लेने की स्थिति में पहुचेगा कैसे उद्यमी के लिए प्रमुख बात होती है कि वह अपने माल को बाजार में बेच सके। जब तक देश के नागरिकों की क्रय शक्ति नहीं बढ़ेगी और वे बाजार में माल खरीदने को नहीं उतरेंगे तब तक बाजार में मान उत्पन्न नहीं होगी और घरेलू उत्पादन नहीं बढ़ेगा। जैसे यदि किसी के जेब में नोट न हो तो बाजार में आलू 20 रुपए के स्थान पर 10 रुपए किलो में भी उपलब्ध हो तो वह खरीदता नहीं है। इसी प्रकार %प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव% की उपयोगिता तब है जब बाजार में मांग हो। लेकिन वित्त मंत्री ने आम आदमी की क्रय शक्ति को बढ़ाने के लिए कोई भी कदम नहीं उठाए हैं। करना यह चाहिए था कि सरकारी कर्मियों के वेतन में कटौती और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में रिसाव को खत्म करके आम आदमी को सीधे नगद वितरण करना चाहिए जिससे कि आम आदमी बाजार से माल खरीद सके और अर्थव्यवस्था चल सके। जो रकम %प्रोडक्शन लिंक्ड

इंसेंटिव% में दी जा रही है उसे सीधे जनता के हाथ में वितरित करना चाहिए जिससे वित्त मंत्री चुक गईं।

वित्त मंत्री ने कहा है कि सरकारी निवेश मी वृद्धि की गई है। यह भी सही है लेकिन बड़ा सच यह है कि सरकार के कुल बजट में 5 लाख करोड़ की वृद्धि हुई है जिसमे पूंजी खर्चों में 2 लाख करोड़ की और सरकारी खपत में 3 करोड़ की। कहा जा सकता है कि यह 2 लाख करोड़ की वृद्धि अच्छी है और है भी। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। इस समय जब देश आयातों से हर तरफ से पिट रहा है, उस स्थिति में अपने देश में बुनियादी संरचना एवं अन्य पूंजी खर्चों में भारी वृद्धि करने की जरूरत थी जिससे कि हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में खड़े हो सकें। उस जरूरत को देखते हुए सरकारी खपत में 3 करोड़ की वृद्धि और सरकारी निवेश में 2 करोड़ की वृद्धि उचित नहीं दिखती है। अधिक वृद्धि पूंजी खर्चों में की जानी चाहिए थी जोकि वित्त मंत्री ने नहीं की है। इसलिए हम विश्व अर्थव्यवस्था में वर्तमान की तरह पीटते रहेंगे ऐसी संभावना है। सरकारी कर्मियों के लिए एसयूवी खरीदने से हम विश्व बाजार में खड़े नहीं होंगे।

वित्त मंत्री ने जीएसटी की वसूली में अप्रत्याशित वृद्धि की बात कही है जोकि सही भी है। लेकिन प्रश्न यह है कि यदि जीएसटी में पिछले समय की तुलना में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है; तो जीडीपी में मात्र 9 प्रतिशत की वृद्धि क्यों कारण यह है कि जो 9 प्रतिशत की वृद्धि बताई जा रही है यह विवादास्पद है। जीडीपी की गणना अपने देश में मुख्यतः संगठित क्षेत्र के आंकड़ों के आधार पर की जाती है। जीएसटी में वृद्धि उत्पादन के कारण नहीं बल्कि इसलिए हो रही है कि असंगठित क्षेत्र पिट रहा है, असंगठित क्षेत्र का उत्पादन घट रहा है और वह उत्पादन जो अभी तक असंगठित क्षेत्र में होता था वह अब संगठित क्षेत्र में होने लगा है। जैसे बस स्टैंड पर पहले रेड़ी पर लोग चना बेचते थे और अब पैकेट में बंद चना बिक रहा है। असंगठित रेड़ी वाले का धंधा कम हो गया और उतना ही उत्पादन संगठित पैकेट बंद चने का बढ़ गया। कुल उत्पादन उतना ही रहा। लेकिन जीएसटी रेड़ी वाला जीएसटी नहीं देता था और पैकेट बंद उत्पादक जीएसटी देता है इसलिए जीएसटी की वसूली बढ़ गई। वित्त मंत्री को जीएसटी की वृद्धि को गंभीरता से समझना चाहिए कि इसके समानांतर जीडीपी में वृद्धि क्यों नहीं हो रही है मेरे अनुसार यह एक खतरे की घंटी है कि छोटे आदमी का धंधा कम हो रहा है उसकी क्रय शक्ति कम हो रही है और देश का कुल उत्पादन सपाट है जबकि जीएसटी बढ़ रही है।

जीएसटी की वसूली का दूसरा पक्ष राज्यों की स्वायत्तता का है। जून 2022 में केंद्र सरकार द्वारा राज्यों द्वारा जीएसटी में जो वसूली की कमी हुई है उसकी भरपाई करना बंद हो जाएगा। जुलाई 2022 के बाद राज्यों को जीएसटी की कुल वसूली में अपने हिस्से मात्र से अपने बजट को चलाना होगा। कई राज्यों की आय 25 से 40 प्रतिशत तक एक ही दिन में घट जाएगी। इस समस्या से निपटने के लिए वित्त मंत्री ने राज्यों के लिए ऋण लेना और आसान कर लिया है जो कि तात्कालिक समस्या के लिए ठीक है लेकिन ऋण लेकर राज्य कब तक अपना बजट चलाएंगे उन्हें कहीं न कहीं से आय तो अर्जित करनी ही पड़ेगी।

गुजरात आर्थिक विकास के साथ मानव तस्करी और पलायन क्यों

अमेरिका-कनाडा की सरहद पर मैनिटोबा में बीते दिनों दिल दहलाने वाला हादसा हो गया। कनाडा से होते हुए चोरी-छिपे अमेरिका में घुसने का जतन करते हुए चार भारतीयों ने -35 डिग्री तापमान और बर्फीली हवाओं के बीच अपनी जान गंवा दी। स्थानीय पुलिस की पड़ताल में पता चला कि यह परिवार गुजरात से आया था और इसमें युवा पति-पत्नी के साथ उनके दो बच्चे भी शामिल थे। पहली नज़र में यह मामला मानव तस्करी का दिख रहा है, क्योंकि किसी अन्य व्यक्ति ने उन्हें सीमा तक छोड़ा था और वे उसे पैदल पार करने की कोशिश कर रहे थे। इस हादसे का खुलासा तब हुआ जब कुछ लोग कनाडा से अमेरिकी सीमा के भीतर आए और उन्हें अमेरिकी बॉर्डर पुलिस ने पकड़ लिया। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि एक गिरोह ने हादसे के शिकार हुए परिवार समेत कई लोगों से पैसे लेकर गैर-कानूनी तरीके से सरहद पार करवाने का वायदा किया था।

भारत समेत समूची दुनिया में पलायन कोई अजूबा नहीं है, न ही जिंदा इंसानों की ख़रीद-फ़रोख्त कोई नई चीज है। हमारे यहां उप्र, बिहार, झारखंड, ओडिशा, असम, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से लोग रोजगार की तलाश में अपेक्षाकृत संपन्न राज्यों की ओर बड़ी संख्या में पलायन करते हैं। देश के आदिवासी इलाकों से लड़कियों और औरतों की तस्करी बड़ी तादाद में होती है, शहरों से भी बच्चे गुम होकर कहां पहुंच जाते हैं, पता नहीं चलता। लगभग सभी प्रदेशों से लोग बेहतर भविष्य के लिए अफ्रीकी देशों और खाड़ी देशों को जाते हैं। अमेरिका, कनाडा और इंग्लैंड में अनगिनत भारतीय कई-कई दशकों से बसे ही हुए हैं। उनके साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया, सुदूर पूर्व और कई यूरोपीय देश भी भारतीयों के पसंदीदा जगहें हैं। दूसरी तरफ, नेपाली और बांग्लादेशी नागरिक यदि अवैध तरीके से भारत लाए जाते हैं तो भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। कुछ अरसा पहले तक पंजाब में कबूतरबाजी और अविभाजित आंध्र में अरब के शेखों द्वारा अल्पसंख्यक लड़कियों के शोषण के किस्से आम थे।

2 हजार साल से ज्यादा पुरानी है हाथ मिलाने की प्रथा

दफ्तर हो या दोस्तों से मुलाकात, हाथ मिलाना बहुत आम बात है। लेकिन हाथ मिलाने से आप खुद अपने लिए खतरे मोल लेते हैं। हाथ मिलाने की प्रथा 2000 साल से ज्यादा पुरानी है। जैसा कि प्राचीन काल के इस ग्रीक स्मारक में भी दिखाई देता है। ग्रीस में आम धारणा थी कि बीमारी भगवान की ओर से सजा के रूप में मिलती है, शायद इसीलिए कभी हाथ मिलाने को बीमारियों से जोड़ कर नहीं देखा गया। जब आप किसी नए व्यक्ति से मिलते हैं तो हाथ मिलाना अच्छी मुद्रा मानी जाती है। इसका अर्थ होता है कि आप खुले हाथों से बगैर हथियार के मिल रहे हैं।

वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो हाथ मिलाने से ऑक्सीटोसिन हार्मोन स्रावित होता है जो प्रेम और दोस्ती जैसे भावों के लिए जिम्मेदार होता है। लेकिन वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे कई बीमारियां भी हो सकती हैं। हाथ मिलाने से रोगाणु तो एक से दूसरे में स्थानांतरित होते ही हैं, इससे कई तरह के संदेश भी मिलते हैं। जैसे पश्चिमी देशों में जोर से हाथ मिलाने का मतलब है निश्चय का पक्का होना, जबकि पूर्वी देशों में हाथ नर्मी से पकड़ा जाता है ताकि वर्चस्व जैसे संकेत न दिए जाएं। किसी से हाथ मिलाने के बाद आप उसके बारे में कुछ न कुछ भाव लेकर लौटते हैं। सर्दी और जुकाम के वायरस हाथ मिलाने से एक दूसरे में पहुंच जाते हैं। इसके अलावा त्वचा संबंधी बीमारियां भी हाथ मिलाने से आप तक पहुंच सकती हैं। संक्रमित व्यक्ति से हाथ मिलाने के बाद अगर वही हाथ आप अपनी आंखों पर फेर लेते हैं तो आपको आंखों में इंफेक्शन हो सकता है।

बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि दिन में कई बार हाथ को गुनगुने पानी और साबुन से धोया जाए। लेकिन अक्सर लोग इसका ख्याल नहीं रखते। एक शोध के मुताबिक सार्वजनिक शौचालय का इस्तेमाल करने के बाद करीब दो तिहाई मर्द हाथ नहीं धोते। क्या ऐसे किसी व्यक्ति से आप हाथ मिलाना चाहेंगे। कई बड़ी हस्तियां इन्ही कारणों से हाथ मिलाने से बचती हैं, जैसे बिल गेट्स। जिन्हें हाथ मिलाना पसंद नहीं, वे अक्सर अपने साथ हैंड सैनिटाइजर लिए मिल जाएंगे। लेकिन अक्सर ऐसे लोगों की छवि झक्की किस्म के लोगों जैसी बन जाती है। तो ऐसे में क्या करें? हाथ न मिलाने के विकल्प आपके पास ही हैं। हालिया रिसर्चों के बाद प्रस्ताव ये भी है कि हाथ मिलाने पर बैन ही लग जाना चाहिए। अस्पतालों को हाथ न मिलाने की जगह घोषित किया जा सकता है। हाथ मिलाने की जगह आप कुछ दूसरे तरीकों से अभिवादन कर सकते हैं। कुछ इस तरह मुट्ठियां टकराना। इस तरह से हाथ टकराने पर खतरा 90 फीसदी कम हो जाता है। हाथ जोड़कर प्रणाम की मुद्रा में मिलना या फिर सलाम करने की मुद्रा को अपनाना अन्य विकल्प हैं।

टीम में करो पढ़ाई

दोस्तों, तुम अलग-अलग चुपचाप पढ़ते हो। इससे तुम जो पढ़ते हो, वह सिर्फ तुम ही पढ़ते और समझते हो। लेकिन जब तुम टीम में मिलकर पढ़ोगे तो ज्यादा आनंद आएगा। वह इस तरह कि यदि तुम्हें कोई चीज समझने में परेशानी हो रही है तो वह तुम दूसरे दोस्त से बातचीत कर पूछ सकते हो। जिस भी दोस्त को टीम में कोई सवाल आता होगा या समझ में आ गया होगा, वह तुम्हें समझा सकता है। टीम में मिलकर पढ़ने का एक लाभ यह भी है कि एक बच्चे की तैयारी से दूसरे बच्चों को भी फायदा होता है। मान लो, तुम्हें गणित पढ़ने में कठिनाई आ रही है, वहीं दूसरे दोस्त की मैथ अच्छी है, तो वह बिना टीचर का इंतजार किए तुम्हें मैथ के प्रॉब्लम्स का हल बता सकता है। उसी तरह यदि कविता को समझने व पढ़ने के तरीके ठीक से नहीं आ रहे हैं, मगर दूसरे बच्चे को आते हैं तो वह तुम्हारी मदद कर सकता है। कई बार अकेले पढ़ते वक्त नींद और निराशा भी होने लगती है, लेकिन जब हम टीम में बैठकर एक साथ पढ़ते हैं तब एक प्रतियोगिता की भावना भी हममें भर जाती है कि वह तो पढ़ रहा है, यदि मैंने ठीक से पाठ नहीं पढ़ा तो मैं तो पीछे रह जाऊंगा। दूसरी स्थिति यह भी पैदा होती है कि हम जैसे ही समूह में बैठते हैं, बस वैसी ही बातचीत शुरू कर देते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम पढ़ने के लिए एक साथ बैठ रहे हैं, न कि बातचीत करने के लिए। समूह में बैठकर पढ़ने से कई सारी बातें स्पष्ट भी होती जाती हैं। इसलिए अब तुम लोग अपनी क्लास में एक ऐसी ही टीम बना सकते हो, जो एक साथ बैठकर पढ़े। तुम इस टीम में हर सदस्य को पहले से ही टॉपिक दे सकते हो, ताकि वह सदस्य उस खास विषय को तैयार करके आए। इससे एक बच्चे के पास एक से ज्यादा विषयों की तैयारी एक ही समय में हो जाएगी और साथ ही तुम्हारे भीतर टीम भावना का भी विकास होगा।

शनि के चंद्रमा एन्सेलेडस पर मिले हैं महासागरीय जलधाराएं होने के संकेत

शनि के चंद्रमा एन्सेलेडस में बर्फ की सतह की पर ही सभी संकेत मिले हैं. शनि के चंद्रमा एन्सेलेडस में बर्फ की सतह की पर ही सभी संकेत मिले हैं. शनि के चंद्रमा एन्सेलेडस के महासागरों में वैसी ही जलधाराएं होने के संकेत मिले हैं जैसी पृथ्वी के महासागरों की गहराइयों में होती हैं.
जब भी पृथ्वी से बाहर जीवन की तशाल की बात होती है तो आमतौर पर उसे मानव जीवन की तलाश ही समझा जाता है.लेकिन हमारे खगोलविद पृथ्वी के बाहर जीवन की हर संभावना को टटोलने का भी प्रयास कर रहे हैं.इसी के तहत उन्हें शनि के चंद्रमा एन्सेलेडस की एक रोचक प्रक्रिया का पता चला है. एन्सेलेडस की बर्फीली सतह के नीचे के महासागरों में शोधकर्ताओं का महासागरीय जलधाराओं का पता चला है जो पृथ्वी पर महासागरों के अंदर मौजूद धाराओं की तरह काम करती हैं.

बर्फ के नीचे तरलता

शनि के इस चंद्रमा के बर्फीली पर्पटी के नीचे गहराई में काला पानी पृथ्वी की महासागरीय जलधाराओं की तरह घूम रहा है.नेचर जियोसाइंस जर्नल में प्रकाशित शोध में शनि के चंद्रमा के वैश्विग महासागरों को ढकने वाली बर्फ की परत के नए विश्लेषण के तहत इसकी जलधाराएं पृथ्वी की धाराओं की तरह बह रही हैं.यदि वाकई ऐसा है तो एन्सेलेडस महासागर समरूप नहीं हो सकते है.

ऐसे मिली है जानकारी

एन्सेलेडस के रहस्य के बारे में पता करना आसान नहीं हैं इसके बारे में सबसे पहली बार 1981 जानकारी मिली जब वॉयजर-2 हमारे सौरमंडल के बाहर जाते समय इसके पास से गुजरा.यान की तस्वीरों से पता चला कि बहुत ही चमकीली बर्फ की 500 किलोमीटर चौड़ी छोटी सी गेंद क्रेटर से फूला और उसे लंबी दरारें बना दीं जिससे स्पष्ट हुआ कि कोई भूगर्भीय गतिविधि हुई है.इसके बाद साल 2010 में शनि के लिए भेजे गए कैसिनी अभियान ने एन्सेलेडस के बर्फीले खोल की दरारों से तरल पानी के गीजर खोजे.यह इस बात का प्रमाण था शनि के इस चंद्रमा सतह के नीचे गहराई तक बर्फ नहीं बल्कि तरल नमकीन महासागर हैं.

तनाव और खिंचाव

एन्सेलेडस 137 दिन में शनि का अंडाकार चक्कर लगाता है.इससे शनि के गुरुत्वाकर्षण में बदलाव आता है और एन्सेलेडस पर अलग अलग खिंचाव और तनाव लगते हैं.इन दबावों से इसमें गर्मी पैदा होकर भूगर्भीय गतिविधि होती है जो बर्फीली सतह पर दरारें पैदा करती हैं. आंतरिक गर्मी ही आंतरिक महासागर को गर्म रखती है और दरारों में गीजर बनाते हैं.एन्सेलेडस की सतह पर बर्फ की 20 किलोमीटर तक गहरी परत जमी हुई है.

लंबवत धाराएं

यही आंतरिक गर्मी ऊपर की ओर संवहनीय धाराएं पैदा करती है जैसे कि पृथ्वी के महासागरों में होता है, जहां गर्म पानी ऊपर आता है जहां ठंडा होकर वह वापस नीचे चला जाता है.लेकिन एन्सेलेडस पृथ्वी से बहुत ही अलग है.पृथ्वी के महासागर औसतन 37 किलोमीटर ही गहरे हैं, जबकि एन्सेलेडस के महासागर 30 किलोमीटर गहरे हैं और उनके ऊपर 20 किलोमीटर की बर्फ की परत है.

बर्फ की सतह के साक्ष्य

कैल्टेक की जियोफिजिसेस्ट ऐना लोबो की अगुआई में शोधकर्ताओं की टीम ने बताया कि हम सीधे इन महासागरों को नहीं देख सकते, लेकिन बर्फ साक्ष्य मिलते हैं.अब हम जानते हैं एन्सेलेडस के ध्रुवों पर बर्फ भूमध्य रेखा की तुलना बहुत पतली है वहीं यह दक्षिणी ध्रुव पर ज्यादा पतली है जहां गीजर निकलते रहते हैं.एन्सेलेडस में महासागरीय जलधारा के सिस्टम का होना वहां जीवन के होने की उम्मीद जगाता है.

जटिल प्रक्रिया

इससे यह पता चलता है कि महासागरों की प्रक्रिया सरल लंबवत संवहन ही नहीं बल्कि थोड़ी जटिल है पतली बर्फ का संबंध ज्यादा बर्फ पिघलने से है और मोटी बर्फ का संबंध ज्यादा बर्फ के जमने से है.यानी मोटी बर्फ में महासागर ज्यादा लवणीय है क्यों केवल पानी जमता है और ज्यादातर लवण पानी में वापस घुल जाता है.इससे बर्फ के नीचे का पानी घना होता जाता है और नीचे बैठने लगता है.जहां बर्फ पतली होती है उल्टी प्रक्रिया होती है.पानी ताजा होता है और कम घना होता है इसलिए वह ऊपर ही रहता है.फिलहाल शोधकर्ताओं का एन्सेलेडस के और ज्यादा आंकड़ों की जरूरत है.अभी तक यह भी पता चल सका है कि वहां जीवन है भी या नहीं.इसके अलावा दुनिया की कोई भी स्पेस एजेंसी एन्सेलेडस कि ओर अपना कोई प्रोब भेजने की योजना नहीं बना रही है, लेकिन शनि के टाइटन, गुरू के यूरोपा जैसे कुछ मिशन से वैज्ञानिकों को काफी जानकारी मिलने की उम्मीद है.

वैज्ञानिकों को मिला डायनासोर युग की शार्क का जीवाश्म

वैज्ञानिकों को डायनासोर युग की एक ऐसी शार्क का जीवाश्म मिला है जिसके आकार के साथ कई विशेषताओं ने उन्हें हैरान कर दिया है.क्रिटेशियस काल में बहुत से अजीब जानवर रहा करते थे जो आज नहीं पाए जाते हैं.इनमें से डायानासोर सबसे लोकप्रिय जानवर हैं जिनका उस युग में धरती पर राज हुआ करता था.उसी युग में एक पानी का अजीब जीव भी रहता था जो शार्क (शार्क) के आकार था.इसके जीवाश्म का अध्ययन करने के बाद वैज्ञानिक इसके फिन के आकार से हैरान है जो काफी बड़ा था.

कहां पाई जाती थी ये शार्क

यह अजीब जानवर 93 करोड़ साल पहले धरती के महासागरों, खास कर आज के मैक्सिको के इलाके आसपास पाया जाता था. इस शार्क के लंबे फिन की वजह से उसकी चौड़ाई उसकी लंबाई से ज्यादा हो गई.वैज्ञानिकों को हैरानी हुई जब उन्होंने पाया कि इसके फिन की लंबाई 19 मीटर हुआ करती थी.जबकि उसकी सिर से पूंछ तक की लंबाई केवल 165 मीटर की थी.

और इसका खास तरह का भोजन

वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस शार्क के पूरे जीवाश्म के मिलने की घोषणा की है.इस शार्क का नाम वैज्ञानिकों ने एक्विलोलोम्ना मिलरेस दिया है.उन्होंने बताया कि यह क्रिकेटशियस काल में तब रहा करता था जब धरती पर डायनासोर का राज था.इस अजीब शार्क का भोजन प्लवक या 'प्लैंकटॉन' हुआ करते थे.

ईगल शार्क वाला नाम

ईसाइंस जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन के मुताबिक एक्विलोलोम्ना नाम का मतलब ईगल शार्क होता है.इसे यह नाम इसकी लंबी पंखों जैसी फिन्स के कारण दिया गया है.इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और वर्टीबरेट जीवाश्म विज्ञानी रोमेन वुलो का कहना है कि ये फिन्स मुख्य रूप से प्रभावी स्थायित्व प्रदान करते थे.

और भी हो सकती हैं अजीब तरह की शार्क

वुलो ने बताया की एक्विलोलोम्ना बेशक असामान्य आकार वाले विलुप्त जीव का एक आदर्श उदारण है.इससे यह पता चलता है कि शार्क के उद्भव काल में असामान्य शारीरिक आकार विकसित हुए होंगे और उनके इतिहास में इस तरह के और भी प्रकार देखने को मिलें तो हैरानी नहीं होनी चाहिए.

आकार दूसरी शार्क की ही तरह था लेकिन...

दूसरी शार्क और अन्य संबंधी जीवों की तरह एक्विलोलोम्ना की हड्डियों का ढांचे में काफी समानताएं दिखी हैं.उनका चिरपरिचित टॉरपेडो मछली के आकार की शारीरिक संरचना थी और दूसरी शार्क की तरह ही उनकी पूंछ हुआ करती थी.लेकिन उनके सीने पर लगे फिन बहुत ही ज्यादा अलग थे.

और भी थी विशेषताएं

शोधकर्ताओं का कहना है कि एक्विलोलोम्ना एक धीमी गति से तैरने वाली शार्क हुआ करती थी जो भोजन के लिए प्लवक या 'प्लैंकटॉन' खाने वाली आज की व्हेल शार्क या बास्किंग शार्क की तरह थीं.इन जानवरों में भोजन के लिए छन्नी जैसे प्रक्रिया होती है जिसे फिल्टर फीडिंग कहा जाता है.एक्विलोलोम्ना की फिल्टर फीडिंग कैसी थी यह अभी पता नहीं चल सका है.एक्विलोलोम्ना मैंटा रे मछली की तरह तैरती है.मैंटा रे मछलियों के भी बड़े फिन होते हैं जो उनके सिर तक जुड़े होते हैं उनके तैरने पर ऐसा लगता है कि वे हवा में ग्लाइड कर रही हैं.बस मैंटा रे के मीनपक्ष या फिन फड़फड़ाते भी हैं, लेकिन एक्विलोलोम्ना के साथ ऐसा नहीं है.

चंद्रमा की सैर

अप्रैल 2099 की यह सुबह बहुत गरम थी। नीले आसमान में तैरते विशेष प्रकार के पदार्थ से बने नारंगी बादल हवा को फिल्टर कर रहे थे। आसमान में कुछ ऊंचाई पर ड्रोन तथा डिस्कनुमा स्वचालित गाड़ियां मंडरा रहीं थीं। इन्हीं के बीच कुछ लोग कमर में एंटी ग्रेविटी बेल्ट बांधे उड़ रहे थे। धरती पर तो ज्यादा जगह बची नहीं थी, इसलिए ज्यादातर ट्रैफिक आसमान के रास्ते ही चलता था। सौवीं मंजिल के अपने छोटे से फ्लैट की बालकनी में खड़ी शुभि किसी सोच में डूबी थी। दरअसल उसे जॉगिंग करनी थी, पर वह अपना वर्चुअल रियलिटी डिवाइस कहीं रखकर भूल गई थी।

मां। उसने आवाज लगाई।

तुमने उसे फिर खो दिया? गनीमत है कि घर की हर चीज कंप्यूटराइज्ड है। कहते हुए मां ने कलाई में पहने स्मार्ट फोन पर कोई कमांड दी। तुरंत बीप-बीप की तेज आवाज कमरे में गूंजने लगी।

जाओ, उसकी लोकेशन तुम्हारे तकिए के नीचे है।

शुभि दौड़कर अंदर गई और अपने तकिए के नीचे से हेयर बैंड जैसा डिवाइस निकाला। बालकनी में आकर उसने सिर पर डिवाइस को फिट कर लिया।

डिवाइस ऑन। उसके कहते ही पूरा वातावरण बदल गया। भीड़ भरे आसमान की जगह अब हरे-भरे बगीचे का दृश्य सामने आ गया, जहां रंग-बिरंगे फूल और खूबसूरत फव्वारे दिखाई दे रहे थे। फूलों से निकलने वाली भीनी सुगंध और पैरों के नीचे प्रतीत होती, हरी घास के बीच जॉगिंग करने में शुभि को मजा आ रहा था।

शुभि, मैं काम पर जा रही हूं। तुम नाश्ता करके पढ़ लेना। कमर में एंटी ग्रेविटी बेल्ट पहनकर मां तैयार खड़ी थीं। अपनी ड्रेस पर वह सुंदर सी जैकेट कसकर बांध रही थीं।

दरअसल यह विशेष प्रकार की थर्मोकंट्रोल जैकेट थी। इसमें लगी बैटरी और अंदर फैले पतले तारों के जाल द्वारा यह तापमान को नियंत्रित करती थी। यह शरीर को एसी. की तरह ठंडक और हीटर की तरह गरमी दे सकती थी। पंखे, कूलर, एसी, हीटर व रजाई-कंबलों के दिन लद चुके थे। मां ने शुभि का माथा चूमा और बालकनी के टेक ऑफ प्वाइंट से उड़ गईं।

शुभि इस बार गरमी की छुट्टियों में चंद्रमा पर घूमने जाना चाहती थी। 'जब मां वापस आएंगी, तो कहूंगी', सोचते हुए उसने कमरे की स्क्रीननुमा दीवार पर समाचार चैनल लगा दिया। समाचार आ रहा था कि पृथ्वी के पहले ग्लोब कमांडर का चुनाव हो चुका है और वह शपथ लेने के लिए ग्लोब सेंटर की भव्य इमारत की ओर जाने वाले हैं। पृथ्वी के अन्य देश भी अब छह मुख्य देशों फ्रांस, अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, इंडिया व चीन यानी 'फारबिक' में शामिल हो गए थे। ग्लोबल वार्मिंग, पॉपुलेशन बॉम्ब, आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए फारबिक देशों ने मिलकर एक संस्था बनाई थी, जिसके प्रमुख के रूप में ग्लोब कमांडर का चुनाव किया गया था।

सुनो मेरी बात। सहसा शुभि के कान के पास कोई फुसफुसाया। उसने चौंककर देखा। बड़ी-बड़ी हरी आंखों वाली एक सुंदर लड़की उसके पास खड़ी थी। वह किसी होलोग्राम इमेज की तरह दिख रही थी। उसने शरीर से चिपकी हुई शानदार पोशाक पहन रखी थी, जिस पर कई तरह के सेंसर व इंडिकेटर चमक रहे थे।

कौन हो तुम? कोई एलियन? शुभि ने पूछा।

अरे नहीं, मैं रोमा। तुम्हारी तरह मनुष्य ही हूं। भविष्य से आई हूं। तुम मुझे काल यात्री कह सकती हो।

तुम यहां क्यों आई हो?

शुभि को कुछ-कुछ समझ में आया।

पृथ्वी को सर्वनाश से बचाने!

क्या कहा? सुनकर शुभि के तो तोते उड़ गए।

दरअसल मैं प्राचीन इतिहास पर किताब लिख रही हूं। इसी सिलसिले में पृथ्वी के विशिष्ट लोगों का इंटरव्यू लेने आई थी।

इंटरव्यू, अतीत के लोगों का? शुभि कुछ नहीं समझी।

देखो, यह थॉट स्कैनर है। इक्कीसवीं सदी के जीनियस व्यक्ति इयोन रस्क के न्यूरालिक प्रोजेक्ट का कमाल। इससे लोगों के विचार पढ़े जा सकते हैं। हम अपने सवालों की लिस्ट तैयार करते हैं और लोगों के दिमाग पढ़कर उनका उत्तर समझ जाते हैं। मैंने अभी प्रथम ग्लोब कमांडर का इंटरव्यू लिया। पता चला कि वह एक सिरफिरा आतंकवादी है, जो पूरी पृथ्वी को खत्म करना चाहता है। वह बहुत खुश है, क्योंकि जल्दी ही उसे यह मौका मिलने वाला है। रोमा ने चिंता भरे स्वर में बताया।

शुभि सारी बात समझ गई। शपथ लेने के साथ ही ग्लोब कमांडर को परमाणु हथियारों के कंट्रोल बटन का कोड सौंपा जाने वाला था। 'तो क्या दुनिया कुछ ही पलों में नष्ट होने वाली है?' सोचते हुए शुभि ने ध्यान से शपथ लेने जाते ग्लोब कमांडर की ओर देखा। उनके दाएं कान पर छोटा सा मस्सा दिखाई दे रहा था। जबकि पिछले दृश्यों में यह नहीं था। कुछ तो गड़बड़ थी।

'मेरी मां ग्लोब कमांडर के सुरक्षा दस्ते की चीफ कमांडो हैं। वह जरूर कुछ कर सकती हैं।' सोचते हुए कांपते हाथ से शुभि ने मां का नंबर मिलाकर मस्से वाली बात बताई। तत्काल ग्लोब सेंटर में अफरा-तफरी फैल गई। ग्लोब कमांडर को वहां से हटाकर गुप्त स्थान पर ले जाया गया। शपथ समारोह स्थगित करके पूरे शहर में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया।

तुम्हें यह बात मुझसे पहले मां को बतानी चाहिए थी। शुभि अब भी उलझन में थी।

मैंने कोशिश की थी, पर वह सुन नहीं सकीं। हर कोई हमारे सिग्नल को पकड़ नहीं पाता, लेकिन तुमने वे संकेत पकड़ लिए। कहते हुए रोमा मुसकराई।

कुछ घंटों बाद शुभि डाइनिंग टेबल पर पापा के हाथ का बना मजेदार पास्ता खा रही थी। वह कोई हमशक्ल बहुरुपिया था, जिसने असली ग्लोब कमांडर की जगह ले ली थी। मां ने बताया, दरअसल शपथ-ग्रहण के लिए निकलने से ठीक पहले ग्लोब कमांडर वॉशरूम गए थे। वहां केयर टेकर के रूप में वह बहुरुपिया भी मौजूद था। उसने ग्लोब कमांडर को बेहोश किया और उनकी जगह खुद बाहर आ गया। परमाणु हथियारों का कमांड कोड मिलते ही वह धमाका करने वाला था। वह पकड़ा गया है। अब सब ठीक है।

अचानक कमरे की स्क्रीन-वॉल पर असली ग्लोब कमांडर का मुसकराता चेहरा दिखाई देने लगा। वह कह रहे थे, हम सबको तुम पर गर्व है शुभि। एक भव्य समारोह में तुम्हें सम्मानित करने के साथ ही चंद्रमा पर दो हफ्तों की सैर का इनाम भी दिया जाएगा।

वाह! बेटी हो तो ऐसी। मम्मी-पापा ने खुश होकर एक साथ कहा। मन ही मन रोमा का धन्यवाद करती हुई शुभि उठकर खड़ी हो गई। चंद्रमा की सैर के लिए पैकिंग भी तो करनी थी।

राजधानी दिल्ली और यूपी में 7 फरवरी से खुलेंगे स्कूल

-एमपी, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और महाराष्ट्र भी जल्द करेंगे फैसला

नई दिल्ली । कोरोना के घातक वायरस का प्रकोप अब धीरे-धीरे गिरावट की ओर जा रहा हैं। पिछले 24 घंटे में सं मितों की तुलना में स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इसे देखते हुए कई राज्यों ने स्कूल को फिर से खोलने का निर्णय लिया है। इनमें मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्य शामिल हैं। यूपी और दिल्ली में भी कल यानी 7 फरवरी से स्कूल खुलेंगे। बिहार में स्कूल खोलने को लेकर आज निर्णय लिया जाएगा। कोरोना वायरस की रफ्तार कम होने के बाद अब प्रदेश सरकार ने सोमवार से कक्षा नौ से लेकर इंटरमीडिएट तक के सभी माध्यमिक स्कूल, विश्वविद्यालय और डिग्री कालेजों को खोलने का फैसला किया है। अभी तक यहां आनलाइन कक्षाएं चल रही थी, लेकिन अब कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए भौतिक रूप से कक्षाएं शुरू की जाएंगी। अभी कक्षा एक से लेकर कक्षा आठ तक के सभी प्राइमरी स्कूल बंद रहेंगे। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी की ओर से सोमवार से सभी माध्यमिक स्कूलों और विश्वविद्यालय व डिग्री कालेजों को खोलने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कोविड प्रोटोकाल के साथ सोमवार से कक्षा नौ से लेकर इंटरमीडिएट तक के सभी स्कूल और डिग्री कालेज खोले जाएंगे। अभी प्राइमरी कक्षाएं इसलिए नहीं खोली गई हैं क्योंकि सं मण कम होने के बावजूद छोटे बच्चों को इससे बचाना जरूरी है।

दिल्ली के स्कूल खोले जा रहे हैं लेकिन उन्हें चरणबद्ध तरीके से खोला जाएगा। यानी सभी क्लासेस के लिए स्कूल एकदम से न खोलकर एक-एक करके खोले जाएंगे। इससे स्कूलों में भीड़ कम होगी। सबसे पहले 7 फरवरी से क्लास नौंवी से लेकर बारहवीं तक के स्कूल खुलेंगे। दिल्ली के डिप्टी चीफ मिनिस्टर मनीष सिसौदिया ने घोषणा की है कि यहां की नर्सरी से लेकर आठवीं क्लास तक के स्कूल 14 फरवरी से खोले जाएंगे। आज दिल्ली में डीडीएमए और दिल्ली सरकार की मीटिंग दोबारा से हुई। इस मीटिंग के बाद कई बड़े फैसले आए हैं उनमें से स्कूलों को खोलने को लेकर भी घोषणा की गई है। सात फरवरी से क्लास नौ से बारह के स्कूल खुलेंगे लेकिन इनकी ऑनलाइन क्लासेस भी बंद नहीं की जाएंगी। इस प्रकार जो छात्र जैसे चाहे वैसे माध्यम का चुनाव करके स्कूल ज्वॉइन कर सकता है।

बिहार में कोरोना सं मण को लेकर लगाई गई पाबंदियों पर रविवार को फैसला होगा। इसको लेकर आपदा प्रबंधन समूह (सीएमजी) की बैठक बुलाई गई है। वर्तमान में लागू पाबंदियां छह फरवरी तक के लिए ही प्रभावी हैं। सात से राज्य में पाबंदियों पर छूट मिलने की उम्मीद है। हालांकि, इसका अंतिम फैसला सीएमजी की बैठक में ही लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वयं उच्च स्तरीय बैठक कर इस पर निर्णय लेंगे। इस बैठक के रविवार दोपहर में होने की संभावना है। शिक्षा विभाग और शैक्षणिक संस्थानों से भी स्कूल-कॉलेज खोले जाने पर मंतव्य लिया गया है। स्कूल-कॉलेज खोलने पर विभाग ने भी अपना विचार रख दिया है। कोरोना सं मण में काफी कमी के मद्देनजर संभावना जताई जा रही है कि स्कूलों-कॉलेजों को खोल दिया जाएगा। हालांकि सभी स्कूलों को खोलने की इजाजत मिलेगी या चरणवार सभी को खोला जाएगा। इस पर भी अंतिम फैसला सीएमजी की बैठक में ही होगा।

सांबा सेक्टर में बीएसएफ ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 3 ड्रग्स तस्करों को मार गिराया

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में सेना और सुरक्षाबलों की मुस्तैदी के चलते मादक द्रव्य से जुड़े तक्करों की खैर नहीं है। सीमा सुरक्षा बल ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 3 पाकिस्तानी ड्रग तस्करों को मार गिराया। इनके पास से बड़ी मात्रा में ड्रग्स भी बरामद हुई है। बीएसएफ के मुताबिक, बीएसएफ जवानों ने स्मगलिंग की कोशिश कर रहे तीन ड्रग्स स्मगलरों को ढेर कर दिया। इनके पास से 36 पैकेट हेरोइन बरामद हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमत करीब 180 करोड़ रुपए है। बीएसएफ के मुताबिक, 6 फरवरी के तड़के बीएसएफ जवानों को सांबा में तस्करों द्वारा ड्रग्स की स्मगलिंग करने की जानकारी मिली। इसके बाद बीएसएफ ने तीन पाकिस्तानी तस्करों को ढेर कर दिया। इनके पास से 36 पैकेट, करीब 36 किलो ड्रग्स मिली है। बीएसएफ के मुताबिक, ये ड्रग्स हेरोइन हो सकती है। इलाके में सर्च जारी है। जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन्स तेज कर दिए हैं। जनवरी में सुरक्षाबलों और आतंकियों के खिलाफ 11 मुठभेड़ें हुई हैं। इनमें 21 आतंकी ढेर हुए हैं। पिछले 2 महीने में जम्मू कश्मीर में 9 पाकिस्तानी आतंकी मारे गए हैं।

भारत ने सभी धर्मों के खिलाफ हिंसा का संयुक्त रूप से मुकाबला करने का आग्रह किया

जिनेवा । भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हिंदू धर्म, सिख धर्म और बौद्ध धर्म सहित सभी धर्मों के खिलाफ हिंसा का संयुक्त रूप से मुकाबला करने का आग्रह किया है। भारत ने याद दिलाया कि अफगानिस्तान के बामियान में तालिबान द्वारा बुद्ध की मूर्तियों को तोड़ना इस बात का प्रमाण है कि अन्य धर्मों के खिलाफ नफरत क्या कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति ने कहा कि किसी भी धर्म, विशेष रूप से हिंदू, बौद्ध और सिख धर्मों के खिलाफ भय पैदा होना गंभीर चिंता का विषय है और इस खतरे से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र को ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस के अवसर पर एक विशेष डिजिटल कार्यं म में यह बात कही। इस कार्यं म को सभ्यताओं के संयुक्त राष्ट्र गठबंधन (यूएनएओसी) ने संयुक्त राष्ट्र में मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात के स्थायी मिशनों की साझेदारी से आयोजित किया था। मानव बंधुत्व की भावना हमें न केवल अब्राहमी धर्मों, बल्कि सिख धर्म, बौद्ध धर्म और हिंदू धर्म सहित सभी धर्मों के खिलाफ नफरत और हिंसा का मुकाबला करने के लिए भी प्रेरित करती है। बामियान में बुद्ध की मूर्तियों को तोड़ा जाना इस बात का प्रमाण है कि अन्य धर्मों के खिलाफ नफरत क्या कर सकती है। तालिबान ने 2001 में बामियान में बुद्ध की छठी शताब्दी में बनीं मूर्तियों को नष्ट कर दिया था। तालिबान के पूर्व नेता मुल्ला मोहम्मद उमर ने विशाल पर्वतों में उकेरी गईं उन मूर्तियों को नष्ट करने का आदेश दिया था।

चीन की पड़ोस की कूटनीति में पाकिस्तान को प्राथमिकताः चीनी प्रधानमंत्री

बीजिंग । चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने कहा कि पड़ोस की कूटनीति में चीन के लिए पाकिस्तान प्राथमिक स्थान रखता है। ली ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष इमरान खान से मुलाकात की। इस दौरान खान ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी सरकार चीनी नागरिकों और उनके देश में जारी परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। चीन की एक सरकारी समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बाद चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के दूसरे नंबर के नेता ली ने पाकिस्तान के साथ बहु-आयामी व्यावहारिक सहयोग को मजबूत करने की चीन की इच्छा व्यक्त की। चीनी प्रधानमंत्री ने कहा कि चीन हमेशा पाकिस्तान के साथ अपने करीबी रणनीतिक संबंधों को महत्व देता है। खान चीनी सरकार के निमंत्रण पर बीजिंग के दौरे पर हैं और हाल ही में बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए थे। ली ने खान के साथ बैठक में कहा कि चीन पाकिस्तान से कृषि उत्पादों के आयात का विस्तार करने पर गंभीरता से विचार करेगा। खान ने चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी का हवाला देते हुए कहा कि उनका देश चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की परियोजना के लिए प्रतिबद्ध है.

सीएम योगी और गोरखनाथ मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी से मचा हड़कंप

-लेडी डॉन नाम के ट्वीट से दी गई धमकी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व गोरखनाथ मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी के एक ट्वीट ने सूबे में सनसनी फैला दी है। लखनऊ में चारबाग रेलवे स्टेशन और बस अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद यहां सतर्कता बढ़ा दी गयी। लेडी डान नाम से बनी आईडी से हुए ट्वीट में लखनऊ विधानसभा और मेरठ में भी बम धमाके की धमकी दी गई है। ट्वीट के बाद पुलिस ने गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी है। एसएसपी के आदेश पर कैंट पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धमकी देने व आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

लखनऊ कमिश्नरेट के कंट्रोल रूम ने जीआरपी अधिकारियों को बताया कि उनके यहां एक फोन आया था। जिसमें चारबाग स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी गयी। लखनऊ कमिश्नरेट कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ बल मौके पर पहुंचा। डाग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते ने चारबाग स्टेशन के सभी प्लेटफार्मों और परिसर स्थल की जांच की। ट्रेनों में भी जीआरपी ने जांच की। एसपी रेलवे सौमित्र यादव ने बताया कि सूचना के बाद सतर्कता पहले से बढ़ा दी गई है। सभी संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है। वहीं चारबाग बस अड्डे पर नाका पुलिस और कैसरबाग बस अड्डे पर वजीरगंज पुलिस ने जांच की।

शुक्रवार की देर रात को लेडी डान नाम की आईडी से तीन ट्विट किए गए। पहले में उत्तर प्रदेश विधानसभा, रेलवे स्टेशन और बस अड्डा पर बम लगाने की बात लिखी गई थी। इसमें कहा गया था कि योगी आदित्यानाथ की भी हत्या हो जाएगी। एक घंटा बाद योगी आदित्यनाथ को मारने की धमकी दी गई। कुछ देर बाद फिर ट्वीट किया गया और लिखा कि गोरखनाथ मठ में सुलेमान भाई ने बम लगा दिया है। मेरठ में दस जगह बम ब्लास्ट होगा। एसएसपी डा। विपिन ताडा ने बताया कि सूचना के बाद गोरखनाथ मंदिर में चेकिंग कराई गई। कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है। पुलिस जांच कर रही है।

उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करने अमेरिका को और कदम उठाना जरूरीः चीन

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत ने कहा कि अमेरिका को उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करने के लिए और अधिक लुभावनी और व्यावहारिक नीतियों एवं कार्ययोजनाओं पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका को उत्तर कोरिया के परमाणु एवं बैलिस्टिक मिसाइल कार्यं मों को लेकर टकराव, निंदा और प्रतिबंधों के दुष्च' में लौटने से बचना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जून ने कहा कि समाधान सीधी बातचीत में निहित है.

यूपी- नोएडा पुलिस को बड़ी कामयाबी, मुठभेड़ में गोली लगने के बाद 2 लुटेरों को गिरफ्तार

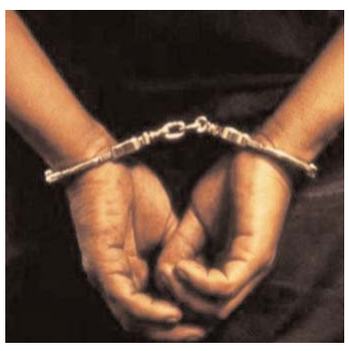

नोएडा । यूपी में योग राज में अपराध रोकने के लिए जीरो टालरेंस नीति के तहत ग्रेटर नोएडा पुलिस और लुटेरों के बीच शनिवार देर रात जबरदस्त मुठभेड़ हुई। इस दौरान पुलिस की गोली से घायल 2 लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जबकि 2 लुटेरे भागने में कामयाब हो गए। पुलिस ने आरोपियों के पास से 2 बाइक, अवैध हथियार और 80 हजार रुपए से ज्यादा नगद बरामद किए हैं। घटना ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र की है। यहां बदमाशों और पुलिस के बीच तिलपता गोलचक्कर से 500 मीटर दूर कच्चे रास्ते पर मुठभेड़ हो गई। पुलिस की तरफ से चली गोलियों से बदमाश अमरीश उर्फ रोहित और बंटी उर्फ योगेश घायल हो गए। इन्हें बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इनके 2 साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपी शातिर बदमाश हैं। चारों ने मिलकर 23 जनवरी को थाना क्षेत्र सूरजपुर चौकी कस्बे के में देशी शराब के ठेके के पास सैल्समेन से एक लाख 30 हजार की लूट की थी। पुलिस ने मौके से 80 हजार 500 रुपए कैश भी बरामद किया है। घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि 15 दिन पहले ही उत्तर प्रदेश की नोएडा पुलिस ने 15 जनवरी को एक बदमाशों के बड़े गैंग का पर्दाफाश किया था। इस गैंग के बदमाशों ने 500 से ज्यादा वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस ने इनके कब्जे से 65 लैपटॉप और लाखों रुपए का माल बरामद किया था। सेक्टर 39 थाना पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान कारों का शीशा तोड़कर लैपटॉप और सामान उड़ा देने वाले 5 बदमाशों को गिरफ्तार किया था। इन 5 बदमाशों में से 3 बदमाशों के पैर में गोली लगी थी।

राहुल गांधी पर सिंधिया का पलटवार कहा- पीएम मोदी के आने के बाद न्यू इंडिया है

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने एक बयान दिया था जिस पर चर्चा तेज हो गई है। लोकसभा में भाषण देते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि अब दो हिंदुस्तान बन रहें हैं। एक अमीरों का हिंदुस्तान और एक गरीबों का हिंदुस्तान। राहुल गांधी ने कहा था कि दोनों हिंदुस्तान के बीच खाई बढ़ती जा रही है। गरीब हिंदुस्तान के पास रोजगार नहीं है। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में बेरोजगारी के बारे में एक शब्द भी नहीं था और पूरे हिंदुस्तान में युवा आज रोजगार ढूंढ रहा है। राहुल गांधी के दो हिंदुस्तान वाले बयान पर कभी उनके खास मित्र रहें और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का बयान आया है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि, मुझे लगता है कि वो (राहुल गांधी) 2014 के पहले के भारत की बात कर रहे हैं, जहां पर कोई विकास नहीं था, सिर्फ भ्रष्टाचार था। लेकिन 2014 के बाद जब मोदी जी ने नेतृत्व करना शुरू किया उसके बाद एक नया भारत है जो आगे बढ़ रहा है, विकास कर रहा है और कोई भ्रष्टाचार नहीं है। संसद में राहुल ने सरकार को घेरा था» बता दें कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान संसद में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला था। राहुल गांधी ने कहा था कि यूपीए सरकार ने 27 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला था लेकिन इस सरकार ने 2014 के बाद 23 करोड़ लोगों को गरीबी में धकेल दिया।

कश्मीरियों को बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई की जरूरत- इमरान खान

चीन में भी जारी रहा पाक पीएम का कश्मीर पर अर्नगल प्रलाप

इस्लामाबाद। लगता है पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को दिन-रात दोनों समय कश्मीर के सपने आते रहते है। वे इस वक्त चीन के दौरे पर हैं। बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने शनिवार को बीजिंग में अपनी चीनी समकक्ष ली के कियांग के साथ बातचीत की। इस बैठक के बाद इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान और चीन ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच %ऑल वेदर% पार्टनरशिप के महत्व को बढ़ावा दिया किया और एक-दूसरे के प्रमुख हित के समर्थन को दोहराया है। चीन में भी इमरान खान अपना कश्मीर राग अलापने से नहीं बाज आए। एक पाकिस्तान के अखबार ने पीएमओ के हवाले से बताया कि इस बैठक में इमरान खान के साथ पाकिस्तान के विदेश मंत्री, वित्त मंत्री, योजना मंत्री, सूचना मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत गर्मजोशी, गहरे आपसी विश्वास और सहमति से प्रभावित थी। पाकिस्तान और चीन ने द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों पर चर्चा की। इसमें सीपीईसी के आगे बढ़ने और क्षेत्रीय और वैश्विक चिंता के महत्वपूर्ण मुद्दों सहित द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा शामिल थी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पक्षों ने पाकिस्तान-चीन ऑल-वेदर स्ट्रैटेजिक कोऑपरेटिव पार्टनरशिप की पुष्टि की और एक-दूसरे के मुख्य हित के मुद्दों पर समर्थन दोहराया। इमरान खान ने कहा कि पिछले साल राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 साल पूरे होने पर द्विपक्षीय मित्रता को एक नई गति मिली है। उन्होंने कोविड-19 महामारी से निपटने और समय पर टीकों की आपूर्ति में पाकिस्तान को समर्थन और सहायता के लिए चीनी सरकार को धन्यवाद दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर विचारों को साझा करते हुए इमरान खान ने भारतीय अवैध रूप से अधिकृत जम्मू और कश्मीर (आईआईओजेके) में गंभीर स्थिति के साथ-साथ कश्मीरी लोगों के दर्द को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की ओर से तत्काल कार्रवाई के महत्व पर प्रकाश डाला।

कनाडा में कोरोना वायरस टीके को जरुरी बनाये जाने के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी ने अंडर-19 विश्वकप जीतने पर बधाई दी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंडर-19 विश्व कप जीतने पर भारतीय जूनियर टीम को बधाई देते हुए कहा है कि भारतीय टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में हैं। यश धुल की कप्तानी में युवा टीम को खिताबी जीत पर सभी ओर से बधाईयां मिली हैं। मोदी ने रविवार सुबह ट्वीट किया, अपने युवा क्रिकेटरों पर बहुत गर्व है। भारतीय टीम को अंडर-19 विश्व कप जीतने पर बहुत बधाई। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट के दौरान गजब के धैर्य का परिचय दिया है। उच्चतम स्तर पर यह शानदार प्रदर्शन दिखाता है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। भारतीय टीम ने अपने प्रदर्शन से इस टूर्नामेंट में दिखाया है कि वह सबसे बेहतर है। भारत की जीत में ऑलराउंडर राज बावा, गेंदबाज रवि कुमार और निशांत सिंधु की अहम भूमिका रही।

बीसीसीआई ने अंडर 19 विजेताओं के लिए खोला खजाना

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंडर 19 विश्वकप विजेता टीम के लिए बड़े इनाम की घोषणा की है। बीसीसीआई ने अंडर 19 विश्व कप जीतने वाले भारतीय टीम के हर सदस्य के लिए 40 लाख रूपए और सहयोगी स्टाफ के लिए 25 लाख रूपए के पुरस्कार की घोषणा की है। बोर्ड सचिव जय शाह ने फाइनल में भारत की चार विकेट से जीत के बाद ट्वीट किया, 'अंडर 19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करके खिताब जीतने वाले अंडर 19 टीम के सदस्यों को बीसीसीआई 40-40 लाख रूपए नकद पुरस्कार और सहयोगी स्टाफ को 25-25 लाख रूपये देगा। साथ ही कहा कि आपने हमें गौरवान्वित किया है। वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने ट्वीट किया, 'अंडर-19 टीम और सहयोगी स्टाफ तथा चयनकर्ताओं को इतने शानदार तरीके से विश्व कप जीतने के लिए बधाई। हमारी ओर से 40 लाख रुपए की नकद इनामी राशि की घोषणा प्रशंसा का एक छोटा सा प्रतीक है जबकि उनके प्रयास बहुमूल्य है पूरी टीम ने बेहतरीन काम किया है।

जब लता ने की थी बीसीसीआई की सहायता

मुम्बई । स्वर कोकिला लता मंगेशकर अब इस दुनिया में नहीं रहीं पर भारतीय क्रिकेट की जो सहायता उन्होंने की थी उसे हमेशा याद रखा जाएगा। 'लता दीदी' के नाम से मशहूर लता मंगेशकर क्रिकेट की बड़ी प्रशंसक थीं। यहां तक कि जब भारतीय क्रिकेट टीम पहली बार 1983 में विश्वकप जीतकर स्वदेश लौटी थी तो बीसीसीआई के पास खिलाड़ियों को देने के लिए पैसे तक नहीं थे.

दुतीचंद ही नहीं कई अन्य खिलाड़ियों ने भी समलैंगिक को चुना जिंदगी का हमसफर

नई दिल्ली । दुती चंद समलैंगिक संबंधों में होने की बात स्वीकार करने वाली भारत की पहली खिलाड़ी हैं। एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता दुती गृहनगर की एक लड़की के साथ समलैंगिक रिश्ते में हैं। इस साल वैलेंटाइडन डे पर उड़िया भाषा की एक स्थानीय पत्रिका के कवर पेज पर दुती चंद और उनकी पार्टनर मोनालिसा आने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुतीचंद की मोनालिसा से मुलाकात उनके गांव में एक पूजा के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों एक-दूसरे से फोन पर बात करने लगीं। एक-दूसरे को जानने के एक साल बाद दोनों ने एक-दूसरे से अपने प्यार का इजहार किया। भारत की फर्राटा धावक दुतीचंद मोनालिसा के साथ घर बसाना चाहती हैं। हालांकि, दुती पहली खिलाड़ी नहीं हैं, जिन्होंने समलैंगिक पार्टनर कोअपनी जिंदगी का हमसफर चुना है। हम अन्य खेल हस्तियों पर एक नजर डालें जो सामाजिक बहिष्कार पर प्यार को प्राथमिकता देते हैं, जो समलैंगिक संबंधों में हैं या थे।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बिली जीन किंग ने 1965 में ब्रिज प्लेयर लैरी किंग से शादी की थी। हालांकि, 1987 में बिली जीन और लैरी किंग में तलाक हो गया। इसके बाद बिली जीन किंग ने 2018 में साउथ अफ्रीका की इलाना क्लॉस से शादी की। पूर्व टेनिस खिलाड़ी इलाना वुमन्स डबल्स में वर्ल्ड नंबर रह चुकी हैं। वहीं, बिली जीन किंग ने अपने करियर में 39 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते। इसमें वुमन्स सिंगल्स में 12, वुमन्स डबल्स में 16, और मिक्स्ड डबल्स में 11 ग्रैंड स्लैम टाइटल शामिल हैं। पूर्व पेशेवर बास्केटबॉल खिलाड़ी जेसन कॉलिन्स नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) में 13 सीजन खेलीं। उन्होंने 2012-13 एनबीए सीजन के समापन के बाद खुद के समलैंगिक रिश्ते में होने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार की थी।

बीजिंग में महिलाओं की स्पीड स्केटिंग स्पर्धा में भाग लेती हुई प्रतियोगी।

पापा अब किराये के मकान पर नहीं रहना पड़ेगा- शेख रशीद

भारत ने पांचवीं बार अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। पूरे वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के उपकप्तान शेख रशीद ने कमाल की बल्लेबाजी की। फाइनल में भी उनका बल्ला खूब बोला और इस खिलाड़ी ने शानदार 50 रनों की पारी खेली।

रशीद के पिता शेख बलीशा ने कहा कि मैच जीतने के बाद रविवार सुबह उसका फोन आया था और उसने कहा, %पापा अब अपना भी मकान होगा, किराये के मकान पर अब हमें नहीं रहना पड़ेगा।% बेटे की इस बात को सुनकर शेख बलीशा के आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। रशीद ने फोन पर कहा कि जीतने के बादइनाम के तौर पर मिलने वाले 40 लाख से अपना मकान बनाएंगे और हमें अब किराये के मकान में नहीं रहना पड़ेगा। शेख बलीशा ने कहा कि अब मुझे इसका अफसोस नहीं है कि मैने बैंक की नौकरी छोड़कर रशीद को बल्लेबाजी का अभ्यास कराया।

बेटे को अभ्यास कराने के लिए छोड़ दी बैंक की नौकरी- हैदराबाद के रहने वाले बलीशा अपने बेटे को बल्लेबाजी का अभ्यास कराने के लिए बैंक की नौकरी तक छोड़ दी थी, ताकि बेटे को बल्लेबाजी का अभ्यास करा सके। बलीशा ने कहा कि मुझे खुशी है कि एक बार फिर रशीद ने ओपनर के फेल होने के बाद भारत की पारी को संभालते हुए 50 रन की पारी खेली।

फाइनल के अलावा रशीद ने सेमीफाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया के लिए अहम पारी खेली थी। उन्होंने 108 गेंदों पर 94 रन बनाए थे। उन्होंने 4 मैचों में 201 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल थे।

लक्ष्मण के टीम के साथ रहने के साथ मिला हौसला- बलीशा ने आगे बताया कि टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज वीवीएस लक्ष्मण के टीम के साथ रहने से रशीद को आत्मविश्वास मिला। फोन पर रशीद ने उनको बताया कि जिस व्यक्ति से प्रेरित होकर मैंने िकेट को अपना जूनून बनाया, उनके वर्ल्डकप में बतौर मार्गदर्शक के तौर पर रहने से मेरे आत्मविश्वास में बहुत बढ़ोतरी हुई। उनके रहने से रशीद को लगा कि कोई अपनी भाषा में मुझे समझा रहा है। उनके टिप्स से ही मैं वर्ल्डकप में शानदार प्रदर्शन कर पाया।

दरसअल, रशीद की मुलाकात 8 साल की उम्र में टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज लक्ष्मण से हुई थी। रशीद के पिता ने बताया कि एक घरेलू टूर्नामेंट के फाइनल में लक्ष्मण मुख्य अतिथि थे। उस समय वो टीम इंडिया के लिए खेलते थे। रशीद ने उस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और लक्ष्मण ने उन्हें पुरस्कार दिया था। इसके बाद रशीद उनसे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपना लक्ष्य टीम इंडिया के लिए खेलने के लिए बना दिया।

अगर िकेट छोड़ देता, तो नहीं कर पाता देश का नाम- रशीद ने अपने पिता को कहा कि पापा अगर आप मुझे बुरे वक्त में नहीं समझाते तो शायद ही मैं देश के लिए वर्ल्ड कप में अहम रोल निभाता। रशीद के पापा बलीशा ने बताया था कि रशीद का चयन पहले आंध्र प्रदेश की अंडर-14 टीम और बाद में अंडर-16 टीम के लिए हुआ। रशीद दोनों वर्गों में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाए, जिसके बाद वह डिप्रेशन में चले गए थे।

कुश्ती, कबड्डी के हरियाणवी छोरों का किक्रेट में भी दबदवा

रोहतक। कुश्ती, कबड्डी और बॉक्सिंग जैसे खेलों में दुनिया भर में परचम लहरा चुके हरियाणा के खिलाड़ियों का क्रिकेट में भी काफी दबदबा है। टीम में प्रदेश के 3 खिलाड़ी रोहतक के निशांत सिंधू, हिसार के दिनेश बाना और भिवानी के गर्व सांगवान देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। फाइनल मुकाबले को लेकर हरियाणावासियों में काफी उत्साह है। निशांत के बारे में बताकर उन्होंने कहा कि उस बचपन से ही क्रिकेट खेलने का शौक है। क्रिकेट को लेकर उसके अंदर इतना जुनून है कि वह हर वक्त क्रिकेट के बारे में ही सोचता रहता है और क्रिकेट को ही जीता है। निशांत के पिता सुनील निजी कंपनी में नौकरी करते हैं और मां वंदना स्कूल टीचर हैं।परिवार के लोग निशांत को पहले बॉक्सर बनाना चाहते थे और इस लेकर उन्होंने ट्रेनिंग भी दिलाई।लेकिन निशांत को क्रिकेट बेहद पसंद था,इसकारण परिवार ने भी उसका स्थानीय क्रिकेट एकेडमी में एडमिशन करा

राइफल और पिस्टल निशानेबाजों का चयन ट्रायल मार्च और अप्रैल में होगा

नई दिल्ली । देशभर में कोरोना मामलों में गिरावट शुरू होने के साथ ही भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने मार्च और अप्रैल 2022 में राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए चयन ट्रायल आयोजित करेगा है। राइफल के लिए पहला और दूसरा चयन ट्रायल भोपाल में आठ से 21 मार्च तक होगा, इस दौरान पिस्टल ट्रायल दिल्ली में होगा।चयन ट्रायल तीन और चार का आयोजन 26 मार्च से सात अप्रैल तक होगा, जिसमें राइफल का ट्रायल भोपाल जबकि पिस्टल का ट्रायल दिल्ली में होगा। काहिरा में आगामी आईएसएसएफ विश्व कप के लिए भारतीय निशानेबाजी टीम का चयन 64वीं राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के अंतिम रैंकिंग अंक के साथ-साथ क्वालीफिकेशन स्कोर को ध्यान में रखकर किया गया था, क्योंकि महामारी के कारण चयन ट्रायल आयोजित नहीं किया जा सका था। एनआरएआई ने टीम की घोषणा के बाद कहा कि भारत में कोविड-19 परिस्थितियों के कारण जनवरी 2022 में प्रस्तावित चयन ट्रायल स्थगित कर दिए गए थे। आईएसएसएफ विश्व कप, काहिरा के लिए टीमों के चयन से पहले ट्रायल आयोजित करने के लिए कोई समय नहीं बचा था।

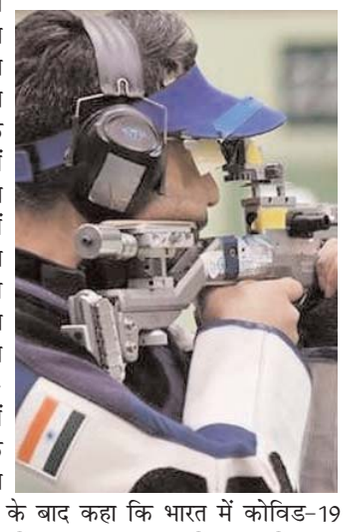

रिकी पोंटिंग ने की बाबर आजम की तारीफ, कहा वह जल्द ही नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज बनेगा

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया की टीम जल्दी ही पाकिस्तान का दौरा करेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने बाबर आजम की तारीफ की है। पोंटिंग ने कहा बाबर आजम जल्दी ही टेस्ट के नंबर वन बल्लेबाज बन जाएंगे, क्योंकि उनमें वह सभी गुण हैं जो एक टेस्ट बल्लेबाज में होने चाहिए। पोंटिंग ने कहा बाबर आजम पहले ही टी20 क्रिकेट में अच्छा खेल रहे हैं। पिछले 4-5 सालों से वह वनडे और टी20 क्रिकेट में काफी शानदार खेल रहे हैं। वह शाहीन जैसा ही है। मैंने इन खिलाड़ियों को बाहर ज्यादा खेलते हुए नहीं देखा।

पंत ने करोड़ों की डील की, रोहित और विराट की श्रेणी में शामिल

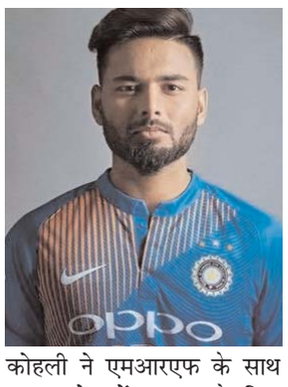

मुंबई । भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को होने वाले वनडे मैच से पहले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने करोड़ों की डील की है। पंत ने क्रिकेट किट बनाने वाली कंपनी एसजी के साथ 7 साल पुराने बैट (बल्ले) स्पॉन्सरशिप डील को रिन्यू किया है। जानकारी के मुताबिक, यह भारत की सबसे बड़ी बैट-स्पॉन्सरशिप डील में से एक है।पंत अब विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद भारत में बैट एंडोर्समेंट के जरिए सबसे अधिक कमाई करने वाले तीसरे क्रिकेटर बने हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंत को अपने बल्ले पर एसजी का लोगो इस्तेमाल करने के लिए सालाना 3 करोड़ रुपए मिलने है। इससे पहले विराट कोहली ने एमआरएफ के साथ 100 करोड़ में 8 साल के लिए बैट स्पॉन्सरशिप डील की थी। उनके अलावा रोहित शर्मा भी अपने बल्ले पर कंपनी के लोगो से करोड़ों कमाते हैं।उन्होंने 2018 में सिएट से डील की थी। इसके तहत कंपनी ने उन्हें हर साल 4 करोड़ रुपए का भुगतान करती है।शिखर धवन को भी एमआरएफ बैट स्पॉन्सरशिप डील के तहत हर साल 2.5 करोड़ रुपए देती थी।हालांकि, अब वहां करार खत्म हो गया है और फिलहाल, वहां कुकाबुरा बैट से खेलते हैं।स्पोर्ट्स टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, जो पंत का काम देखती है ने दावा किया है कि अब विकेटकीपर बल्लेबाज देश में बैट एंडोर्समेंट के जरिए सबसे अधिक कमाई करने वाले टॉप क्रिकेट खिलाड़ियों में आ गए हैं।क्रिकेट गुड्स बनाने वाली कंपनी इससे पहले राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर और मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के साथ भी इस तरह का करार कर चुकी है।

कुवैत में ऊंटों की 20 वीं अंतरराष्ट्रीय रेसिंग चैम्पियनशिप आयोजित हुई।

सचिन ने बताई वनडे करियर की पांच सबसे यादगार पारियां, शेयर किया दिलचस्प किस्सा

मुंबई । दुनिया के महानतम बल्लेबाजों में से एक सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट के मैदान पर कई यादगार पारियां खेली हैं। सचिन के फैंस के लिए उनकी हरेक पारी यादगार है, पर ये वे पारियां हैं, जिन्हें सचिन अपनी यादगार पारियां मानते हैं। सचिन ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने करियर की 5 सबसे यादगार वनडे पारियों का जिक्र किया। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। सचिन से जब उनकी पांच सर्वश्रेष्ठ वनडे पारियों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि पांच यादगार वनडे पारियां चुनना बहुत मुश्किल है। मैं विश्व कप फाइनल को इस सूची से बाहर रखूंगा क्योंकि यह अहसास शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। आप इसे अन्य मैचों के साथ शामिल नहीं कर सकते, क्योंकि यह मेरी जिंदगी का सर्वश्रेष्ठ दिन था। शारजाह में आस्ट्रेलिया के मजबूत आक्रमण के खिलाफ दो शतक के अलावा ग्वालियर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 200 रन इसमें शामिल हैं। उन्होंने कहा यह यादगार पारी है क्योंकि वह भी दक्षिण अफ्रीका का अच्छा गेंदबाजी आक्रमण था और पहली बार था जब वनडे में किसी ने दोहरा शतक जमाया था। वहीं सेंचुरियन में 2003 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ शोएब अख्तर के खिलाफ छक्का और वे विस्फोटक 98 रन शीर्ष पांच में शामिल हैं। उन्होंने कहा वह बेहद दबाव वाला मैच था और मैं अपने तरीके से बल्लेबाजी कर सकता था। सेंचुरियन की पारी विश्व कप में मेरे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में से एक होगी। ब्रिस्टल में कीनिया के खिलाफ शतक भी यादगार है, जो उन्होंने अपने पिता प्रो रमेश तेंदुलकर के निधन के तुरंत बाद बनाया था। सचिन ने कहा मैं घर आया और अपनी मां को देखकर मैं बहुत भावुक हो गया। मेरे पिता के निधन के बाद वह टूट गई थीं। लेकिन उस दुख की घड़ी में भी वह मुझे घर पर रूकने नहीं देना चाहती थी। वह चाहती थीं कि मैं राष्ट्रीय टीम के लिए खेलूं। जब मैंने यह पारी खेली थी तो मैं बहुत ही भावुक अवस्था में था, इसलिए यह मेरी पांच वनडे पारियों में शामिल होगी।

न्यूज ब्रीफ

एसबीआई ने सीसीआई पर लगाया 1.29 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली । प्रतिस्पर्धा आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शाखाओं, कार्यालयों और एटीएम के लिए साइनेज की आपूर्ति से जुड़ी बोली की हेराफेरी में सात संस्थाओं व उनके नौ अधिकारियों पर 1.29 करोड़ का जुर्माना लगाया है। जुर्माने के अलावा सीसीआई ने उन्हें प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं से बचने का निर्देश दिया है। इन नौ अधिकारियों पर कुल 54000 रुपए का जुर्माना है। सीसीआई ने 2018 की शिकायत पर स्वत» संज्ञान लेते हुए यह जुर्माना लगाया है। आरोप था कि एसबीआई इन्फ्रा मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की मार्च 2018 में बोली में अनियमितता हुई थी। जिन सात कंपनियों पर जुर्माना लगा उनमें डायमंड डिस्पले सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, एजीएक्स रिटेल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, ओपल साइंस प्राइवेट लिमिटेड, अवेरी डेनिसन प्राइवेट लिमिटेड, अपरीश नियोन प्राइवेट लिमिटेड, मैं ोमीडिया डिजिटल इमेजिंग प्राइवेट लिमिटेड और हिथ इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल है।

बैंक ऑफ बड़ौदा का मुनाफा 2,197 करोड़ रहा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में दोगुना बढ़कर 2,197 करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका मुनाफा 1,061 करोड़ रुपए रहा था। बैंक की आय 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के दौरान बढ़कर 20,482.26 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 20,407.45 करोड़ रुपए थी। वहीं आलोच्य तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज से आय बढ़कर 17,963 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 17,496.71 करोड़ रुपए थी। इसके अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घटकर 7.25 प्रतिशत पर आ गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 8.48 प्रतिशत पर थी।

बजट से रोजगार के नए अवसर पैदा करेगाः यादव

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 का बजट देश में ढांचागत विकास के जरिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। यादव ने भाजपा की दिल्ली इकाई के कार्यालय में आयोजित एक कार्य म में कहा कि यह बजट प्रगतिशील है जो युवाओं के सपनों एवं आकांक्षाओं का ध्यान रखता है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी तबकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बजट में कई प्रावधान किए गए हैं जो इसे एक जन-हितैषी बजट बनाता है।

10 प्रमुख कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण 1.51 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली । बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 दस प्रमुख कंपनियों मे से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 1,51,456.45 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 46,016.2 करोड़ रुपए बढ़कर 14,11,058.63 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 33,861.41 करोड़ रुपए बढ़कर 8,44,922.53 करोड़ रुपए रहा। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 23,425.29 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 7,32,177.06 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 17,226.59 करोड़ रुपए के लाभ से 4,31,926.08 करोड़ रुपए पर और आईसीआईसीआई बैंक का 16,601.55 करोड़ रुपए के उछाल से 5,59,009.41

करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में 6,113.36 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ और यह 4,73,182.90 करोड़ रुपए रहा।

इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 5,850.48 करोड़ रुपए बढ़कर 5,42,262.17 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारती एयरटेल ने सप्ताह के दौरान 2,361.57 करोड़ रुपए जोड़े और उसका बाजार मूल्यांकन 3,95,535.80 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन 2,870.45 करोड़ रुपए घटकर 4,53,231.97 करोड़ रुपए रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 2,396.57 करोड़ रुपए घटकर 15,77,382.90 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद 'मश» टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

घरेलू कारकों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव रहने के आसार दिखाई दे रहे हैं। सप्ताह के दौरान बाजारों की दिशा रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा और कुछ बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा बाजार के निवेशकों की निगाह रुपए के उतार-चढ़ाव, ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख पर भी रहेगी।

भारतपे ने कहा- प्रशासनिक समीक्षा और बोर्ड की बैठकों की गोपनीयता बनाए रखी जाए

नई दिल्ली । भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर ने कहा कि बोर्ड के सदस्यों की ईमानदारी पर सवाल उठाना और तथ्यों को गलत तरीके से पेश करना पीड़ादायक है। गौरतलब है कि ग्रोवर कथित धोखाधड़ी, अभद्र व्यवहार और कॉरपोरेट प्रशासन के मुद्दों पर जांच का सामना कर रहे हैं, जिसके बाद उन्होंने आं ामक रुख अपनाया। भारतपे ने कहा कि बोर्ड ने कंपनी के सर्वोत्तम हित में अपने सभी कार्यों में उचित प्र ि या का पालन किया है। हम आग्रह करेंगे कि प्रशासनिक समीक्षा और बोर्ड की बैठकों की गोपनीयता और अखंडता को बनाए रखा जाए। ग्रोवर इस समय लंबी छुट्टी पर हैं और कोटक महिंद्रा बैंक के साथ उनका विवाद सामने आने के बाद भारतपे की स्वतंत्र समीक्षा की जा रही है। ऐसे में कंपनी के कामकाज से जुड़े कई मामले सामने आ सकते हैं। दरअसल जनवरी की शुरुआत में आए एक ऑडियो क्लिप में ग्रोवर कथित तौर पर कोटक महिंद्रा बैंक के एक कर्मचारी को फोन पर धमकाते हुए सुनाई दिए थे। वह नायका के आईपीओ के दौरान शेयर आवंटन में बैंक की तरफ से गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए सुनाई दिए थे। बाद में ग्रोवर ने कथित तौर पर यह कहा कि छुट्टी पर जाने के लिए कंपनी के निवेशकों ने उन पर दबाव बनाया और उनका सीईओ समीर सुहैल पर से भरोसा उठ गया है। भारतपे ने कहा कि हमें इस बात का गहरा दुख है कि भारतपे के बोर्ड या बोर्ड के सदस्यों की ईमानदारी पर बार-बार गलत तथ्यों और निराधार आरोपों के जरिए सवाल उठाए जा रहे हैं।

एयरटेल अपनी अनुषंगियों के साथ कारोबार में 1.17 लाख करोड़ खर्च करेगी

नई दिल्ली । दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की अपनी अनुषंगियों के साथ कारोबार पर अगले पांच साल में 1.17 लाख करोड़ रुपए का खर्च करने की तैयारी कर रही है। शेयर बाजारों को दी सूचना में एयरटेल ने कहा कि वह अपनी अनुषंगियों इंडस टावर्स, नेक्सट्रा और भारती हेक्साकॉम के साथ कारोबारी लेनदेन में यह राशि खर्च करेगी। कंपनी 26 फरवरी को अपने सदस्यों के साथ असाधारण आम बैठक (ईजीएम) करने जा रही है। इस बैठक में गूगल द्वारा करीब 7,500 करोड़ रुपए में कंपनी की 1.28 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर मंजूरी ली जाएगी। भारती एयरटेल की ओर से जारी ईजीएम नोटिस के अनुसार वह मोबाइल टावर कंपनी इंडस टावर्स के साथ कारोबार पर 88,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इसके अलावा वह नेक्सट्रा की डाटासेंटर सेवाएं लेने के लिए 15,000 करोड़ रुपए और भारती हेक्साकॉम के साथ लेनदेन पर 14,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। जानकारी के मुताबिक भारती एयरटेल अगले चार वित्त वर्षों के दौरान इंडस टावर्स के साथ प्रत्येक साल लेनदेन पर 17,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इसके अलावा 20,000 करोड़ रुपए वह 2025-26 में खर्च करेगी।

वित्त वर्ष 2022-23 का बजट सतत विकास की दिशा में कदम- गोयल

बजट एक चौथाई सदी के सतत विकास को ध्यान में रखते हुए किया गया है तैयार

मुंबई । केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 का बजट एक चौथाई सदी के सतत विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने मांग पक्ष की तुलना में आपूर्ति-पक्ष पर अधिक ध्यान देने की आलोचना पर भी ध्यान नहीं देने का अनुरोध किया। सरकार ने एक फरवरी को बिना कर वृद्धि के बजट पेश किया। इस बजट में किसी प्रकार का कोई नया राजस्व सृजन उपाय नहीं किया गया है। हालांकि बजट में पूंजीगत व्यय को 35 प्रतिशत बढ़ाकर 7.5 लाख करोड़ रुपए की घोषणा की गई है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री गोयल ने बीएसई की तरफ से बजट के बाद उद्योग प्रतिनिधियों के लिए आयोजित एक चर्चा में कहा कि मैं उद्योग के एक वर्ग की

इस आलोचना से हैरान हूं कि बजट आपूर्ति-पक्ष पर केंद्रित है, जबकि मांग को बढ़ावा देना ज्यादा जरूरी था। तथ्य यह है कि यह एक दिशा निर्धारित करने वाला बजट है। इसमें अर्थव्यवस्था को त्रस्त करने वाले व्यापक एवं सूक्ष्म मुद्दों पर भी स्पष्ट ध्यान दिया गया है।

खाद्य और उपभोक्ता मामलों के भी मंत्री गोयल ने कहा कि बिहार के पटना से गुवाहाटी के पांडु तक अंतर्देशीय जलमार्ग के माध्यम से जहाज पर खाद्यान्न की आवाजाही देश के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों को जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। गोयल ने पटना से पांडु तक खाद्यान्न ले जाने वाले जहाज एमवी लाल बहादुर शास्त्री को हरी झंडी दिखाने और कालूघाट (बिहार) में टर्मिनल के लिए आधारशिला रखने के दौरान यह बात कही। मीणा ने आगे कहा कि वैश्विक संकेतक भी स्पष्ट नहीं हैं। भू-राजनीतिक स्थिति महत्वपूर्ण है, जबकि कच्चे तेल के दाम बढ़ना हमारे लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि एफआईआई अभी भी बिकवाली के मूड में हैं। उनका रुख भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विश्लेषकों ने कहा कि पिछले सप्ताह के शुरुआती दिनों में बाजार में तेजी उम्मीदों के अनुरूप थी।

पिछले पांच वर्षों में लगातार देश की जीडीपी ग्रोथ में आई गिरावटः कौशिक बसु

- महामारी और देशव्यापी लॉकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होने से विकास दर पर पड़ा असर

नई दिल्ली । विश्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने एक ट्वीट कर कहा कि पिछले पांच वर्षों से लगातार देश की जीडीपी ग्रोथ रेट में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि 1947 के बाद से ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। बसु ने कहा कि आंकड़ों को कोई झुठला नहीं सकता। बसु ने ट्वीट में पिछले पांच वित्त वर्ष के देश की जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े भी दिए। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2016-17 में जीडीपी ग्रोथ रेट 8.2 फीसद रही थी। इसके बाद 2017-18 में यह 7.2 फीसदी, 2018-19 में 6.1 फीसदी, 2019-20 में 4.2 फीसदी और 2020-21 में -7.3 फीसदी रही। उन्होंने

कहा कि हर वित्त वर्ष की ग्रोथ रेट पिछले वित्त वर्ष से कम है। दरअसल कोरोना महामारी ने भारत ही नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान महामारी और देशव्यापी लॉकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई थीं। जिसके चलते इस दौरान देश की विकास दर -7.3 फीसद दर्ज हुई। गौरतलब है कि हाल ही में पेश हुए इकॉनोमिक सर्वे में मौजूदा वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भारत की विकास दर 9.2 फीसद रहने का अनुमान लगाया गया है, जो कि विश्व में सबसे अधिक होगी। सर्वे के अनुसार आर्थिक गतिविधियों के महामारी से पहले के स्तर पर लौट आने के चलते ऐसा होगा। वहीं वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 8 से 8.5 फीसद के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है। बसु ने हाल ही में देश में बढ़ती महंगाई को लेकर भी चेताया था। बसु ने कहा था कि भारत की समग्र वृहद आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है, लेकिन विकास शीर्ष स्तर पर ही केंद्रित है.

10 लाख डॉलर निवेश के साथ नए रोजगार पर फोकस

ब्रिटिश कंपनी गोजीरो मोबिलिटी भारत में करेगी विस्तार

नई दिल्ली । ब्रिटिश कंपनी गोजीरो मोबिलिटी भारतीय बाजार में अपने विस्तार की कोशिशों में लगी है। इलेक्ट्रिक बाइक बाने वाली पॉपुलर कंपनी अगले 3 वर्षों में 1 मिलियन अमरीकी डॉलर नॉर्थ इंडियन स्टेट्स के बाजार में निवेश करने की योजना बना रही है। साथ ही इन बाजारों में वह 100 से ज्यादा रोजगार प्रदान करने की दिशा में भी काम कर रही है। गोजीरो प्रीमियम इलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस बाइक और सिग्नेचर लाइफस्टाइल मर्चेंडाइज के निर्माण के लिए जानी जाती है, जिसकी योजना अब उत्तर पूर्वी भारत के बाजारों में पैर पसारने की है। ब्रिटिश ई-बाइक निर्माता गोजीरो मोबिलिटी ने भारत में उत्तर पूर्व के बाजारों में क्लीन वीइकल्स की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए एक आ ामक योजना तैयार की है। प्रस्तावित निवेश क्षेत्र में एक बड़ा रिटेल नेटवर्क बनाने और स्थानीय असेंबली यूनिट्स की स्थापना के लिए होगा। इससे यहीं पर ई-बाइक्स को तेजी से तैयार कर उसी दिन डिलीवरी को सक्षम करने की क्षमता तैयार की जाएगी और क्षेत्र में नए रोजगार पैदा किए जा सकेंगे। कंपनी

द्वारा किया जाने वाला नया निवेश स्थानीय उद्यमियों को ई-बाइक के लिए भागीदार बनाने में सक्षम करेगा, क्योंकि इस क्षेत्र में पर्यटन ई-बाइक के लिए एक आकर्षक अवसर और मांग पैदा कर रहा है। गोजीरो मोबिलिटी डिलीवरी करने वाले लोगों में भी प्रमोशन पर भी ध्यान देगी। कंपनी की विस्तार योजना पर के बारे में बताते हुए गोजीरो मोबिलिटी के को-फाउंडर सुमित रंजन ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा दोपहिया और साइकिल बाजार है और उत्तर पूर्वी भारत ई-बाइक के लिए एक मजबूत बाजार है, जो अब तक ई-बाइक्स के लिए अछूता ही रहा है। हम इस क्षेत्र में अपने उत्पादों की महत्वपूर्ण मांग देखते हैं और ये हमारे लिए उत्तर पूर्व बाजार में विस्तार करने का एक सही समय है। हम पूर्वोत्तर में अपनी उपस्थिति के साथ सालाना 15000 यूनिट्स की बि ी की उम्मीद करते हैं। हमारा उद्देश्य प्रस्तावित निवेश के साथ स्थानीय लोगों के लिए भी नौकरी के अवसर प्रदान करना है, जो अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा जैसे 7 सहयोगी राज्यों में गोजीरो ई-बाइक रिटेल वि ाओं की दुकानों को सक्षम करने की दिशा में होगा.

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।